राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

पिंक आउटफिट ने केट....8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

शनिवार, 10 दिसंबर 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्ष: 09 अंक: 350 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

हिमाचल में बागियों ने बिगाड़ा भाजपा का खेल! नड्डा बोले: अनुशासन बनाए रखने के लिए जो जरूरी होगा वह करेंगे

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में भाजपा को बड़ा झटका लगा है। हिमाचल प्रदेश चुनावी नतीजों में पार्टी को राज्य में अपनी सत्ता गंवानी पड़ी है। भाजपा के लिए यह चिंताजनक स्थिति इसलिए भी है क्योंकि खुद पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा हिमाचल प्रदेश से आते हैं। आज पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा एक टीवी चौनल के कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने से हिमाचल, गुजरात और तमाम कई मुद्दों को लेकर सवाल पूछा गया। इसी दौरान हिमाचल प्रदेश को लेकर जेपी नड्डा ने साफ तौर पर कहा कि अनुशासनहीनता पर काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अनुशासन बनाए रखने के लिए जो भी जरूरी कदम होगा, उसे किया जाएगा। आपको बता दें कि हिमाचल प्रदेश में भाजपा की हार का सबसे बड़ा कारण बागियों को ही माना जा रहा है। जेपी नड्डा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में जो भी सुधार करने की आवश्यकता होगी पार्टी स्तर से वो अवश्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी में सामूहिकता में सोचने की प्रक्रिया रही है और अनुशासन को बनाए

रखने के लिए जो भी जरूरी होगा वो किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हिमाचल में जयराम ठाकुर ने बहुत अच्छा काम किया और सरकार विरोधी रुख होता तो वो बहुत ही स्पष्ट रूप से दिखाई देता। उन्होंने कहा कि लोग सरकार के काम से कमोबेश खुश थे और यही कारण है कि वोट प्रतिशत में अंतर एक फीसदी से भी कम रहा है। उन्होंने साफ कहे कि हां, मैं ये भी कहूंगा कि पार्टी में कोई भी व्यक्ति बिना जिम्मेदारी और बिना मॉनिटरिंग के नहीं रह सकता। पार्टी जब भी जिसकी जिम्मेदारी तय कर देती है तो वो तय हो जाती है। गुजरात की जीत पर नड्डा ने कहा कि मैं गुजरात की जनता को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी पर विश्वास जताया है। हमने मेहनत की थी और उसी का ये नतीजा है। हिमाचल में भले ही राज बदल गया हो लेकिन हम बहुत हद तक रिवाज बदलने में भी सफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि वहां वोट शेयर का फर्क एक प्रतिशत से भी कम है, हम इस पर पूरी गंभीरता से विचार करेंगे। जब नड्डा से आगे की रणनीति पर पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हमें कभी ब्रेक नहीं मिलता और ब्रेक लेने की इच्छा भी नहीं होती। पार्टी में एक कल्चर डेवलप हो गया है और हम उसको आगे भी बढ़ा रहे हैं... इसकी प्रेरणा हमें प्रधानमंत्री जी से मिलती है और हमने मोदी जी से ही ये सब सीखा है।

डबल इंजन की सरकार कानपुर समेत प्रदेश के विकास के लिए प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री योगी

388 करोड़ रुपए की 272 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण और शिलान्यास

कानपुर। कानपुर में शुक्रवार को वीएसएसडी कॉलेज ग्राउंड में प्रबुद्धजन सम्मेलन को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 388 करोड़ रुपए की 272 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। कानपुर की जनता का आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार कानपुर समेत प्रदेश के विकास की प्रतिबद्धता के लिए काम कर रही है। अराजकता और अव्यवस्था का शिकार हुआ था कानपुर : उन्होंने कहा कि कानपुर कभी उत्तर भारत के मैनचेस्टर के रूप में विख्यात था। अपने उद्योगों के बदौलत अलग पहचान रखता था, जो देशभर के नौजवानों के लिए

रोजगार मुहैया कराता था। लेकिन 70–80 के दशक में कुछ लोगों की बदौलत देश के पांच बड़े महानगरों में गिना जाने वाला कानपुर अराजकता और अव्यवस्था का शिकार हो गया। प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में हम कानपुर का छवि बदलने के लिए प्रयासरत हैं। इसके लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। नमामि गंगे, मेट्रो रेल,डिफेंस कॉरिडोर,स्मार्ट सिटी आदि से कानपुर को बदला जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास योजना की चाबी सीएम ने मंच से लाभार्थियों को दी।

मनोज सिन्हा बोले: आतंकवाद अच्छा या बुरा नहीं हो सकता

इसके आकाओं को अलग–थलग करने का वक्त आ गया है

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने एक बार फिर से आतंकवाद को लेकर बड़ा बयान दिया है। इसके साथ ही उन्होंने पड़ोसी मुल्क को लेकर भी एक संदेश दे दिया है। दरअसल, जम्मू के कार्यक्रम में मनोज सिन्हा शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने आतंकवाद को लेकर अपनी बात रखें। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल ने साफ तौर पर कहा कि दुनिया में आतंकवाद अच्छा या बुरा नहीं हो सकता। यह पूरी मानव जाति के लिए दुश्मन है। इसके साथ ही उन्होंने पाकिस्तान का बिना नाम लिए कहा कि जो देश आतंकवाद को स्टेट पॉलिसी के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्हें अलग–थलग करने का वक्त आ गया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अब आतंकवाद को खत्म करने का वक्त आ गया है। जम्मू में एलजी मनोज सिन्हा ने जम्मू में

आयोजित डोगरा सदर सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि समाज में हमारी अलग–अलग समस्याएँ और चुनौतियाँ हैं। समाधान लोगों के बीच प्यार और भाईचारे में है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि एक दुनिया, एक दिल, एक मानवता का विचार आज और कल की चुनौतियों का मुकाबला कर सकता है। इसके साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जम्मू–कश्मीर में विकास के लिए पहले शांति स्थापित होनी चाहिए। अपने बयान में उन्होंने कहा कि कुछ देश आतंकवाद और नार्को–आतंकवाद को राज्य की नीति के रूप में उपयोग कर रहे हैं। उन्हें आइसोलेट करना होगा। एलजी ने इस बात को भी कहा कि दुनिया में कहीं भी अच्छा आतंकवाद और बुरा आतंकवाद नहीं हो सकता। आतंकवाद मानव जाति का सबसे बड़ा दुश्मन है। इसे समाप्त करने का समय आ गया है। आपको बता दें कि जम्मू कश्मीर में 370 हटाने के बाद आतंकवाद पर चोट लगातार जारी है। हालांकि, यह बात भी सत्य है कि कश्मीर में लक्षित हमले के जरिए कई बेगुनाह लोगों को आतंकवादियों की ओर से निशाना बनाया गया है। वहीं, गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को राज्यसभा में कहा था कि इस साल जम्मू कश्मीर में तीन कश्मीरी पंडितों सहित अल्पसंख्यक समुदायों के कुल 14 लोग मारे गए हैं।

श्रद्धा वॉकर हत्याकांड में आफताब को नहीं मिली राहत, न्यायिक हिरासत 14 दिनों के लिए बढ़ी

नई दिल्ली। श्रद्धा वॉकर हत्याकांड को उजागर हुए लगभग एक महीने का समय हो गया है मगर अब तक पुलिस मामले को पूरी तरह से सुलझा नहीं पाई है। पुलिस को अब भी कई सवालों के जवाबों का इंतजार है। इस मामले में आए दिन अलग अलग हैरतअंगेज खुलासे होते हैं जिससे इस की हर तरफ चर्चा होती रहती है। जांच के बीच नौ दिसंबर को आफताब को साकेत कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया था। पेशी के दौरान महरौली थाना पुलिस के अधिकारी भी कोर्ट रूम में थे। पेशी के दौरान पुलिस ने जानकारी दी कि श्रद्धा हत्याकांड की जांच पुलिस की टीम कर रही है।

पुलिस ने मांग की थी कि आरोपी की न्यायिक हिरासत को बढ़ाना चाहिए, जिसके बाद कोर्ट ने पुलिस की मांग को स्वीकार किया है। इससे पहले आरोपी आफताब को 26 नवंबर को 13 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था, जिसे अब 14 दिनों के लिए भी बढ़ा दिया गया है। न्यायिक हिरासत में रहने के दौरान ही पुलिस ने आरोपी आफताब का पॉलीग्राफ टेस्ट और नारको टेस्ट किया था। इस मामले में दिल्ली पुलिस को अभी डीएनए और अन्य जांच रिपोर्टों का इंतजार है। इस रिपोर्ट के आने के बाद पुलिस की जांच को अलग राह और मजबूती मिल सकेगी। माना जा रहा है कि रिपोर्ट सामने आने के बाद मामले में नया मोड़ आ सकता है। इस मामले में नए खुलासे भी हो सकते है। पॉलीग्राफ और नार्को में कबूल चुका है आफताब: श्रद्धा वालकर हत्या मामले में आरोपी आफताब अमीन पूनावाला ने अपनी 'पॉलीग्राफ' व 'नार्को' जांच और पुलिस पूछताछ के दौरान समान जवाब दिए हैं। नार्को जांच के दौरान, पूनावाला ने जांचकर्ताओं को बताया कि उसने वालकर के शव के टुकड़े करने के लिए एक छुरे का भी इस्तेमाल किया था और उसने आरी को गुड़गांव में अपने दफ्तर के पास झाड़ियों में कहीं फेंक दिया था। पूनावाला ने बताया कि उसने श्रद्धा का सिर महरौली के जंगली इलाकों में और मोबाइल फोन मुंबई में समुद्र में फेंक दिया। उसने अपनी 'लिव–इन–पार्टनर' की हत्या की बात स्वीकार की है और यह भी कबूल किया कि दिल्ली के जंगल वाले इलाकों में विभिन्न स्थानों पर उसके शव के टुकड़े फेंके थे।

ये है मामला: पूनावाला (28) ने कथित तौर पर श्रद्धा के शव के 35 टुकड़े किए थे और उन्हें शहर के अलग–अलग हिस्सों में ठिकाने लगाने से पहले तीन हफ्ते तक दक्षिण दिल्ली के महरौली स्थित अपने आवास पर 300 लीटर के एक फ्रिज में रखा था।

Assam-Meghalaya border: मेघालय उच्च न्यायालय ने सीमा समझौते पर लगाई अंतिम रोक

नई दिल्ली। मेघालय उच्च न्यायालय ने इस साल की शुरुआत में असम और मेघालय के मुख्यमंत्रियों द्वारा हस्ताक्षरित एक अंतरराज्यीय सीमा समझौते के संबंध में जमीन पर भौतिक सीमांकन या सीमा चौकियों के निर्माण पर अंतरिम रोक लगाने का आदेश दिया है। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के. संगमा और असम के उनके समकक्ष हिमंत विश्व शर्मा ने दोनों राज्यों के बीच अकसर तनाव उत्पन्न करने वाले 12 विवादित क्षेत्रों में से कम से कम छह के सीमांकन के लिए इस साल मार्च में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। मेघालय के चार 'ट्रेडिशनल' (आदिवासी) प्रमुख की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति एच. एस. थांगखिव ने छह फरवरी 2023 को मामले की अगली सुनवाई तक इस पर अंतरिम रोक लगाने का आदेश दिया।

टीएमसी प्रवक्ता की गिरफ्तारी पर बोले अभिषेक बनर्जी, लोकतंत्र पर खतरा बरकरार, निर्वाचन आयोग पर समर्पण का आरोप

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि गुजरात में पिछले तीन दिनों में दो बार पार्टी प्रवक्ता साकेत गोखले की गिरफ्तारी यह दर्शाती है कि लोकतंत्र 'पर खतरा बरकरार है।' गुजरात पुलिस ने बृहस्पतिवार को महानगरीय अदालत से जमानत मिलने के कुछ ही घंटों के भीतर गोखले को मोरबी पुल हादसे पर उनके ट्वीट से जुड़े मामले को लेकर गिरफ्तार कर लिया था। अभिषेक ने कहा, "गुजरात पुलिस ने साकेत गोखले को

पिछले तीन दिन के अंतराल में दो बार गिरफ्तार किया, वो भी आदर्श आचार संहिता के प्रभावी रहने के दौरान।" उन्होंने कहा, "निर्वाचन आयोग ने पूरी तरह से समर्पण कर रखा है। वह लगातार भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) के अधीन काम कर रहा है। लोकतंत्र पर खतरा बरकरार है!" गोखले ने एक दिसंबर को एक समाचार क्लिप ट्वीट की थी, जिसमें सूचना का अधिकार (आरटीआई) कानून के तहत कथित तौर पर प्राप्त जानकारी के आधार पर दावा किया गया था कि पुल हादसे के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मोरबी दौरे पर 30 करोड़ रुपये खर्च हुए थे। उन्होंने लिखा था, "आरटीआई आवेदन ने खुलासा किया है कि प्रधानमंत्री मोदी के कुछ घंटों के मोरबी दौरे पर 30 करोड़ रुपये खर्च हुए थे। इसमें से 5.5 करोड़ रुपये विशुद्ध रूप से 'स्वागत, इवेंट मैनेजमेंट और फोटोग्राफी' पर खर्च हुए थे।" मंगलवार को प्रेस सूचना ब्यूरो ने एक 'फैक्ट चेक' ट्वीट कर उक्त सूचना के गलत होने की बात कही थी। इसके बाद गोखले के खिलाफ जालसाजी और मानहानिकारक सामग्री प्रकाशित करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। छह दिसंबर को उन्हें मामले में गिरफ्तार कर लिया गया था।

सात करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त, असम में तीन गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम के कार्बी आंगलोंग जिले में दो ट्रकों से लगभग सात करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए जाने के बाद तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बृहस्पतिवार देर रात असम–नगालैंड सीमा के पास

खटखाटी इलाके में गिरफ्तारी और जब्ती की गई। अधिकारी ने कहा कि क्षेत्र में वाहनों की जांच की गई और गोपनीय सूचना के आधार पर दो ट्रकों को रोका गया। उन्होंने कहा, "कार्रवाई के दौरान हमने दो ट्रकों को रोका। हमने नगालैंड पंजीकरण संख्या वाले एक ट्रक से 30,000 याबा की गोलियां जब्त कीं और मणिपुर नंबर प्लेट वाले एक अन्य ट्रक से 55 साबुन की पेटियों में रखी गई 757.15 ग्राम हेरोइन जब्त की।" उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में गोलियों और हेरोइन की कीमत करीब सात करोड़ रुपये है। अधिकारी ने बताया कि तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

रूस छोड़कर भागने वाले हैं पुतिन ? क्या है राष्ट्रपति के पलायन से जुड़ा ऑपरेशन Noah's Ark

चाहे कितना भी बड़ा तानाशाह क्यों न हो, जब उसके खिलाफ बगावत होती है। जब उसी के मुल्क के लोग उसके खिलाफ में खड़े हो जाते हैं। फिर तो सत्ता क्या देश ही छोड़ने की नौबत आ जाती है। अपनों के विरोध से बचने के लिए दूसरे मुल्क में पनाह लेनी पड़ सकती है। लेकिन क्या आप सोच सकते हैं कि रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ भी कुछ ऐसा हो सकता है। लेकिन पुतिन के ही एक करीबी ने दावा कर दिया है कि रूसी राष्ट्रपति ने क्रेमलिन से एग्जिट का प्लान तैयार कर लिया है। अपने परिवार और करीबियों के साथ पुतिन देश छोड़ सकते हैं। ऐसे में तमाम तरह की बातें होने लगी

है कि क्या वाकई में यूक्रेन युद्ध पुतिन के गले की हड्डी बन चुका है। पुतिन पूरे परिवार के साथ आखिर कहां पलायन करने वाले हैं? राजनीतिक सलाहकार और पुतिन के पूर्व–भाषण लेखक ने एक टेलीग्राम पोस्ट में दावा किया है कि क्रेमलिन ने एक बैकअप योजना पर काम करना शुरू कर दिया है। जिसे अनाधिकृत रूप से ष्छवीशे ।ताष करार दिया गया। गैल्यामोव ने अपनी जानकारी के लिए अनाम अंदरूनी सूत्रों का हवाला दिया। उन्होंने कहा है कि रूस में बदले विरोध के चलते पुतिन साउथ अमेरिका में पनाह ले सकते हैं। गैल्यामोव ने 2010 से पुतिन के लिए काम नहीं किया है और खुद रूस से निर्वासन में रह रहे हैं। उन्होंने निकासी को अत्यधिक आकस्मिक योजना के रूप में तैयार किया। गौरतलब है कि 289 दिन पहले पुतिन की ब्रिगेड पूरी तैयारी और प्लानिंग के साथ यूक्रेन के बैटल ग्राउंड में उतरी थी। मकसद यूक्रेन पर कब्जा करना और उसे तबाह करना था।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना में दर्जी ट्रेड में चयन 13 एवं 14 को

एच.पी.शर्मा/दैनिक बुद्ध का संदेश

गौतम बुद्धनगर। विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना में प्रशिक्षण के लिए प्राप्त आवेदन पत्रों के अभ्यार्थियों का दर्जी ट्रेड में चयन करने के लिये लिया जाएगा साक्षात्कार। उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र गौतम बुद्ध नगर अनिल कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना में प्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन वेबसाइट ूकपनचउेउम.नचेकब.हवअ.पद पर आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों का योजना में दर्जी ट्रेड में चयन के लिए साक्षात्कार कार्यालय उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र सूरजपुर(कलेक्ट्रेट के निकटध्पीछे ईकोटेक 2) ग्रेटर नोएडा गौतम बुद्ध नगर के परिसर में दिनांक 13 एवं 14 दिसंबर, 2022 को प्रातः 11.00 बजे से गठित समिति द्वारा लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि साक्षात्कार के समय उक्त योजना में प्रशिक्षण के लिए भरे गए ऑनलाइन फॉर्म की प्रति, एक पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड की फोटो कॉपी, बैंक पासबुक की एक फोटो कॉपी जिसमें खाता संख्या और आईएफएससी कोड सही लिखा हो, 10 रूपये के स्टांप पेपर पर शपथ पत्र नोटेरी सहित आदि दस्तावेज साथ लाना अनिवार्य है। उक्त योजना में पात्रता के लिए जाति एकमात्र आधार नहीं होगा। योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने के लिए ऐसे व्यक्ति भी पात्र होंगे जो परंपरागत कारीगरी जाति से भिन्न हो, ऐसे आवेदकों को परंपरागत कारीगरी से जुड़े होने के प्रमाण के रूप में ग्राम प्रधान, अध्यक्ष नगर पंचायत अथवा नगर पालिकाध्नगर निगम से संबंधित वार्ड के सदस्य द्वारा निर्गत किया गया प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। उक्त के संबंध में आवश्यक जानकारी के लिए शशि बिंदु के मोबाइल नंबर 9810745043 से संपर्क कर सकते हैं।

आबकारी विभाग की एक और बड़ी कार्यवाही, 3 विक्रताओं के विरूद्ध मुकद्मा

एच.पी.शर्मा/
दैनिक बुद्ध का संदेश

गौतम बुद्धनगर। आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश के निर्देशों के क्रम में व पुलिस कमिश्नर एवं जिलाधिकारी के नेतृत्व में आबकारी विभाग की एक और बड़ी कार्यवाही। अवैध शराब को लेकर आबकारी विभाग एवं पुलिस के संयुक्त तत्वाधान में चलाया गया गहन सर्च अभियान। गेमिंग सेंटर स्क्रीन गोल्फ गुड शॉट में अवैध रूप से बिना लाइसेंस के मदिरा परोसने पर 3 विक्रताओं के विरूद्ध आबकारी अधिनियम में मुकद्मा पंजीकृत करते हुये जेल भेजा। आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश के निर्देशों के क्रम में व पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह एवं जिला अधिकारी सुहास एल0वाई0 के नेतृत्व में जनपद में अवैध शराब के निष्कर्षण एवं अवैध शराब के व्यापार के विरूद्ध चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान के तहत जिला आबकारी अधिकारी गौतम बुद्ध नगर राकेश बहादुर सिंह ने जानकारी देते हुये बताया कि विगत दिवस आबकारी निरीक्षक राहुल सिंह और आबकारी निरीक्षक चंद्रशेखर सिंह की टीम ने नॉलेज पार्क के सिग्नेचर टावर के प्रथम तल पर संचालित गेमिंग सेंटर स्क्रीन गोल्फ गुड शॉट के अंदर छापा मारकर अवैध रूप से बिना लाइसेंस के मदिरा परोसने पर 3 अभियुक्तों राहुल पुत्र किरणपाल निवासी लोनी गाजियाबाद, गौरव पुत्र वीरसिंह निवासी अहमदवास बुलंदशहर और कोरियन नागरिक यांग जिन को पुत्र ह्यूसोप को निवासी जे पी ग्रीन, गौतमबुद्धनगर को गिरफ्तार करते हुये तीनो अभियुक्तो के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की सुसंगत धारा में थाना नॉलेज पार्क में अभियोग पंजीकृत करा कर जेल भेजा गया है। उन्होंने बताया कि मौके से 17 बुडवाइजर केन बीयर उत्तर प्रदेश में बिक्री के लिए अनुमन्य और 5 बोतल चूम चुरम कोरियन वाइन बरामद हुई। जिला आबकारी अधिकारी राकेश बहादुर सिंह ने कहा कि आगे भी जिलाधिकारी के निर्देशन में अवैध शराब की बिक्री को लेकर आगे भी जनपद में निरंतर गहन सर्च अभियान जारी रहेगा। उन्होंने अवैध शराब का कारोबार करने वालों को सचेत करते हुए कहा है कि उनके विरूद्ध आबकारी अधिनियम के तहत सख्त से सख्त कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की गोली मारकर हत्या, परिजनों मे मचा कोहराम

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। थाना क्षेत्र के अंतर्गत संदिग्ध परिस्थितियों में एक 45 वर्षीय अधेड़ का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया परिजन हत्या किए जाने की आशंका जता रहे हैं सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम को भेजा और जांच शुरू कर दी। मामला सतरिख थाना क्षेत्र के देवकहा मजरे मंजीठा गांव का है जहां शुक्रवार के भोर प्रवेश कुमार वर्मा 45 वर्ष जो पारा कुंवर स्थित अपने खेत की रखवाली पर गया था जहां पर सुबह लोगों ने मृत पड़ा देखकर परिजनों को सूचना दी मौके पर पहुंचे परिजनों भी दंग रह गए। मृतक युवक के एक बच्चा व पत्नी सुनीता रो–रो कर अपने पति की हत्या किया जाने का आशंका जाहिर करते हुए बार–बार बेहोश हो रही थी परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है वही एडिशनल एसपी व फारसिस टीम मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है पुलिस के अनुसार मृतक युवक के पास एक तमंचा व सुसाइड नोट भी बरामद हुआ युवक के सर में गोली लगने से उसकी मौके पर ही मौत हुई है जिससे पुलिस आत्महत्या किए जाने की बात कह रही है परिजन आत्महत्या पर नहीं हत्या के जाने का अंदेशा जाहिर कर रहे हैं। इस संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश नारायण ने बताया कि युवक के सर में गोली लगने से मौके पर ही मौत हो गई है व मामला संदिग्ध होने पर विभिन्न बिंदुओं पर पुलिस जांच कर रही है।

- **पुलिस की पुष्टि के अनुसार हत्या या आत्महत्या स्पष्टीकरण के बाद होगा घटना का खुलासा**
- **शक के संदेह में परिजन जता रहे हत्या की आशंका**

उसका बाजार में ब्लॉक स्तरीय संगोष्ठी का हुआ आयोजन

अनंत मिश्रा/
दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। ग्राम प्रधान, स्थानीय प्राधिकारी, निकाय सदस्य व प्रधानाध्यापकों का ब्लॉक स्तरीय संगोष्ठी एवं उन्नमुखीकरण समारोह शुक्रवार को बीआरसी परिसर में हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य डीबीटी के अंतर्गत अभिभावकों के खाते में भेजे गए 12 सौ रुपए का उपभोग, आपरेशन कायाकल्प एवं निपुण भारत मिशन के लक्ष्य प्राप्ति हेतु अभिभावकों को जागरूक करना है। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि एमएलसी ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चे गरीब परिवार के हैं, ऐसे में शिक्षकों का दायित्व है कि इन्हें बेहतर शिक्षा दें और ग्राम प्रधान विद्यालय के भौतिक परिवेश को बच्चों के अनुकूल बनाएं।

कहाकि जब अभिभावक पहले दिन अपने बच्चे का नामांकन कराने विद्यालय पहुंचता है तो आंखो में कई सुनहरे ख्वाब देखता है। गरीब के ख्वाब पूरा करना सभी लोगों की जिम्मेदारी है। परिश्रम करने वाला व्यक्ति ही ऊंचाई तक जाता है। विशिष्ट अतिथि पूर्व चेयरमैन हेमंत कुमार जायसवाल और बीडीओ नीरज कुमार जायसवाल ने कहा कि गांव के परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को बेहतर माहौल देना है। आयोजक बीईओ महेंद्र कुमार ने सभी के सहयोग की अपेक्षा करते हुए कहा कि संगोष्ठी में बताए गए सभी कार्य बच्चों के लिए आवश्यक हैं। अभिभावक पूर्ण गणवेश में बच्चों को पढ़ने के लिए भेजें। इस दौरान एडीओ पंचायत संजय पांडेय, प्रधान संघ के ब्लॉक अध्यक्ष श्रीष प्रताप यादव, घनश्याम राय, हरिशंकर सिंह, जगदीश जायसवाल, सत्यम पांडेय, राकेश सिंह, शिवपाल सिंह, शिवाकांत दुबे, रीतू सिंह, प्रतिभा सिंह, गुलाब चंद, एआरपी रामसेवक गुप्ता, गुलाम जिलानी, अजीजुर्रहमान, राघवेंद्र त्रिपाठी, आदि मौजूद रहे।

तहसील परिसर डाकघर में रजिस्ट्री कूपन अविलंब उपलब्ध कराने की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन द्वारा सत्य प्रकाश सिंह कुशवाहा नोटरी अधिक्ता के नेतृत्व में एसोसिएशन द्वारा कचहरी परिसर रावटसगंज सोनभद्र में स्थित डाकघर पर प्रदर्शन किया। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष एड पवन कुमार सिंह ने कहा कि परिसर स्थित डाकघर में रजिस्ट्री टिकट न होने से अधिवक्ता बंधुओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। रजिस्ट्री डाक टिकट न मिलने से रजिस्ट्री की सुविधा का लाभ भी नहीं मिल पा रहा है। मजबूरन लोगों को अधिक पैसा खर्च कर रजिस्ट्री की जगह स्पीड पोस्ट करानी पड़ रही है क्योंकि रजिस्ट्री के के लिए 21रूपये की जगह स्पीड पोस्ट के लिए 42 रूपये देने पड़ रहे हैं रजिस्ट्री डाक टिकटों को अविलंब उपलब्ध कराया जाए जिससे रजिस्ट्री की जगह स्पीड पोस्ट ना करना पड़े तथा अधिवक्ताओं का एक रजिस्ट्री पर करीब 20 रूपये अतिरिक्त न देना पड़े। मौखिक शिकायत करने के बाद भी रजिस्ट्री टिकट उपलब्ध नहीं कराया गया जिससे अधिवक्ताओं एवं वादकारियों में आक्रोश है। यही हाल जनपद के समस्त डाकघर में रजिस्ट्री कूपन की समस्या है। अधिवक्ताओं ने मांग किया है कि रजिस्ट्री कूपन अविलंब उपलब्ध कराया जाए नहीं तो इसके लिए आंदोलन किया जाएगा। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश कुमार यादव एडवोकेट ने बताया कि साधारण डाक से पत्र भेजना था, पर कचहरी परिसर रावटसगंज में खुले डाक में रजिस्ट्री के लिए 21 रूपये लगता हैं लेकिन रजिस्ट्री की जगह स्पीड पोस्ट का 42 रुपये मांगे जा रहे हैं। इससे तो बेहतर है कि 15 रुपये में कोरियर से चिट्ठी भेज दें। कचहरी के अधिवक्ता परेशान हैं। इस अवसर पर मृगराज सिंह एडवोकेट, सुशील शर्मा एड, भानु प्रताप चौहान एडवोकेट, राजेंद्र प्रसाद एडवोकेट, प्रदीप कुमार एडवोकेट, शारदा प्रसाद मौर्य एडवोकेट, अशोक कुमार कनौजिया एडवोकेट, नवीन पांडेय एड, फूल सिंह एड आदि लोग मौजूद रहे।

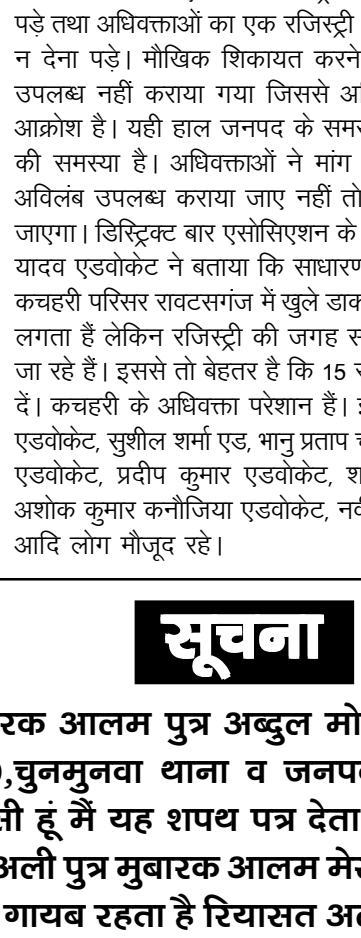

डिम्पल की जीत पर सपा ने मनाया जश्न

जौनपुर । समाजवादी पार्टी कार्यालय पर मैनपुरी उपचुनाव मे डिंपल यादव के ऐतिहासिक जीत पर सपा जिलाध्यक्ष लालबहादुर यादव को कार्यकर्ताओं नेताओं ने माला पहना कर मिठाई खिलाकर जीत का जश्न मनाया। कार्यकर्ताओं ने ढोल नगाड़े के साथ जमकर जीत का जश्न मनाया जिलाध्यक्ष ने कहा यह जीत निश्चित रूप से नेताजी को सच्ची श्रद्धांजलि देने का काम की है । जहां शासन प्रशासन इस चुनाव खेला करना चा रही थी लेकिन मैनपुरी की महान जनता ने साहस का परिचय देते हुए अपने वोटों को देकर नेताजी को श्रद्धांजलि देने का काम किया । अब जनता जाग गई है आने वाले चुनाव में इस देश से भारतीय जनता पार्टी की सफाई करने के लिए तैयार है जनता इस उपचुनाव यह संदेश दिया है कि अब बेरोजगारी नहीं बर्दाश्त करेगा महंगाई नहीं बर्दाश्त करेगा । लूट हत्या बल्तकार नहीं बर्दाश्त करेगा जनता विकास के रास्ते पर वोट देना चाह रही है जिस तरह रामपुर में लगातार समाजवादी पार्टी बढ़त बनाई हुई थी लेकिन प्रशासन द्वारा हेराफेरी कर सपा प्रत्याशी को हराया गया यह लोकतंत्र की हत्या की गई है । गठबंधन खतौली भी समाजवादी गठबंधन के खाते में गई इससे जनता का जनादेश अब भारतीय जनता पार्टी को समझ लेना चाहिए ।, श्याम बहादुर पाल, प्रवक्ता राहुल त्रिपाठी, श्रवण जयसवाल,गप्पू मौर्या,रुक्सार अहमद, गजराज यादव, अनवारुल गुड्डू,अलमाश,कमालुद्दीन अंसारी, आरीफ हबीब, दिनेश फौजी, इकबाल अहमद,अशलम खान,राजकुमार बिन्द, सोनी यादव अजीज फरीदी,रतन साहू आदि लोग उपस्थित रहे ।

जनता ने चुना तो नगर का होगा चौमुखी विकास–रामशरण पाठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

रामनगर/बाराबंकी। नगर निकाय चुनाव के दृष्टिगत रामनगर तहसील के अंतर्गत एकमात्र नगर पंचायत रामनगर में अध्यक्ष पद हेतु दावेदार सामने आने लगे हैं। इसी क्रम में रामनगर नगर पंचायत से दो बार चेयरमैन रह चुके रामशरण पाठक ने आज अपने निज निवास पर हजारों समर्थकों के बीच नगर के हजारों लोगों के बीच में जनता की मांग पर चुनाव लड़ने की घोषणा की, जिससे उपस्थित समर्थकों ने अपना प्रबल समर्थन किया। उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए पूर्व चेयरमैन रामशरण पाठक ने कहा कि रामनगर की जनता ने नगर पंचायत रामनगर के चेयरमैन के रूप में मुझे दो बार चुना और जितना मैंने वादा किया उतना अपने कार्यकाल के दौरान पूरा करने का पूरा प्रयास किया और हमारी यह भी प्रयास रहा कि कोई भी गरीब शोषित पीड़ित व्यक्ति के साथ अन्याय न होने पाए। पाठक ने कहा कि अगर नगर की जनता मुझे पुनः सेवा करने का अवसर देती है तो निश्चय ही नगर का चौमुखी विकास करूंगा। पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर पंचायत रामनगर को सजाने और संवारने के लिए मैं कोई कसर नहीं छोड़ूंगा परिसीमन में बढे क्षेत्र में भी विकास की गंगा बहेगी। मेरे कार्यकाल में जो भी विकास कार्य हुए हैं उनको नगर की जनता ने देखा है इस संबंध में ज्यादा कुछ कहने की आवश्यकता नहीं है। पाठक ने कहा कि मैं जब चेयरमैन था तब और आज जब नहीं हूं तब भी जनता की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहता हूं। रामशरण पाठक ने निज निवास पर रायशुमारी के लिए उमड़े जनसमूह से चुनाव लड़ने के लिए समर्थन मांगा इस पर जनता ने भारी उत्साह व हर्ष के साथ पाठक का समर्थन किया। इस अवसर पर कृष्ण मित्र शुक्ल, बंशीधर तिवारी ,घनश्याम शर्मा, प्रमोद उपाध्याय, मुन्ना जायसवाल, गजानन शुक्ल, राजाराम मौर्य, मोहम्मद मुस्लिम, राम कुमार सोनी एडवोकेट, मोहम्मद जाबिर, रईस बेग डा.सुहेल सहित काफी संख्या में समर्थक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कर रहे डॉ. संजय तिवारी ने आए हुए लोगों का आभार व्यक्त करते हुए आगामी नगर पंचायत अध्यक्ष पद पर चुनाव में रामशरण पाठक को जिताने की अपील की।

सूचना

मैं मुबारक आलम पुत्र अब्दुल मोइद,साकिन बर्डपुर नं.11 टो0,चुनमुनवा थाना व जनपद सि0नगर,उ0प्र0 का निवासी हूं मैं यह शपथ पत्र देता हूं कि मेरा लड़का रियासत अली पुत्र मुबारक आलम मेरा कहा नहीं मानता है अक्सर गायब रहता है रियासत अली का क्रियाकलाप समाज विरोधी है जो आये दिन आपराधिक वाले व्यक्तियों के गतिविधियों के संगत में रहता है मेरा व मेरे परिवार वाले सदस्यों का एक भी बात नहीं मानता है जिस कारण बिना किसी जब्र व दबाव के अपने लड़के रियासत अली को सम्पूर्ण चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। इसके द्वारा किए गए कार्य के लिए वह स्वयं उत्तरदाई होगा, मेरा व मेरे परिवार का उसके किसी भी कार्य से कोई लेना–देना नहीं होगा,भविष्य में यदि कोई भी व्यक्ति रियासत अली से कोई लेन–देन कर्ता है या कोई भी मुकदमा या कानुनी कार्यवाही होती तो वह स्वयं का जिम्मेदार होगा।

प्रार्थी

मुबारक आलम पुत्र अब्दुल मोइद
साकिन बर्डपुर नं.11 टोला चुनमुनवा
थाना व जनपद सि0नगर,उ0प्र0।

दिनांक–01.12.2022

धूम धाम से मनाया गया सिद्धार्थ विश्वविद्यालय का छठॉ दीक्षान्त समारोह

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर में आयोजित छठॉ दीक्षान्त समारोह कार्यक्रम राज्यपाल उ0प्र0ध्कुलाधिपति की अध्यक्षता में प्रस्तावित था किन्तु अपरिहार्य कारणों से स्थगित होने के कारण आज छठॉ दीक्षान्त समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 गिरीश चन्द्र त्रिपाठी एवं सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु के कुलपति प्रो0 हरि बहादुर श्रीवास्तव की उपस्थिति में छठॉ दीक्षान्त समारोह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। छठॉ दीक्षान्त समारोह कार्यक्रम सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु के विद्या परिषद के सदस्यों द्वारा सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के कुल सचिव के नेतृत्व में विद्यत्व पद यात्रा के साथ कार्यक्रम का मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति प्रो0 गिरीश चन्द्र त्रिपाठी एवं सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 हरि बहादुर श्रीवास्तव, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के कुल सचिव द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलित कर एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इसके पश्चात छात्राओं द्वारा कपिलवस्तु गीत तथा सरस्वती वन्दना गीत की प्रस्तुति की गयी। छठॉ दीक्षान्त समारोह में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 हरि बहादुर श्रीवास्तव द्वारा विद्यार्थियों को शपथ दिलाया गया। मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति प्रो0 गिरीश चन्द्र त्रिपाठी एवं सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 हरि बहादुर श्रीवास्तव द्वारा सिद्धार्थ विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र–छात्राओं को स्नातकध्स्नातकोत्तर में कला संकाय, विज्ञान संकाय, विधि संकाय तथा कृषि विज्ञान संकाय तथा अन्य विषयों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले 44 छात्रध्छात्राओ को गोल्ड मेडल एवं डिग्री प्रदान की गयी। विश्वविद्यालय के निकटवर्ती पूर्व माध्यमिक विद्यालय बर्डपुर, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, बर्डपुर के छात्रध्छात्राओ को बैग तथा पुस्तकों का वितरण किया गया। इसके पश्चात छठॉ दीक्षान्त समारोह

की स्मारिका का विमोचन किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति प्रो0 गिरीश चन्द्र त्रिपाठी द्वारा सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के कुलपति, कुल सचिव, संस्थापक, पूर्व कुलपति एवं सभी सम्मानित जनप्रतिनिधिगण का स्वागत किया गया। दीक्षांत समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न संकाय के छात्र–छात्राओं को गोल्ड मेडल और डिग्री देकर मेरे मन में खुशी प्राप्त हुई। मैं प्रफुल्लित हूँ। शिक्षा की दृष्टि से कोई भी राष्ट्र लम्बे समय तक समृद्ध और संकल्पित रह सकता है। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय की स्थापना अत्यन्त पवित्र भूमि पर हुयी है। यही हमारे सामाजिक, राजनैतिक एवं शैक्षिक दृष्टि से भारत आज पूरी दुनिया में विश्व गुरू के रूप में विकसित राष्ट्र में उभरकर, कार्य करके अपने विकास के उच्चतम शिखर को प्राप्त कर रहा है। आपके विचार अच्छे हैं और उसमें सामर्थ्य होगा तभी वह ऊचाईयों के शिखर पर पंहुच सकता है। कार्य को सम्पादित करने के लिए विधाओं की जानकारी होनी चाहिए। इच्छा शक्ति के आभाव से हम अपने कार्य में सफल नहीं हो सकते। देश की संस्कृति के बारे में जो चुनौतियां भी खड़ी होने वाली हैं उसका हमें डटकर मुकाबला करने की आवश्यक्ता है। जिस प्रकार विश्वविद्यालय की बेटियों द्वारा गोल्ड मेडल प्राप्त किया गया है वे सभी बधाई की पात्र हैं। सभी सामर्थ्यवान बनिये, देश की सेवा करके देश को आगे बढ़ाइए। अन्त में सभी लोगो को बधाई देकर आभार प्रकट करते हुए अपना सम्बोधन समाप्त किया। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 हरि बहादुर श्रीवास्तव द्वारा मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति प्रो0 गिरीश चन्द्र त्रिपाठी एवं पूर्व कुलपति डॉ0 रजनीकान्त पाण्डेय, प्रो0 सुरेन्द्र दूबे, विद्या परिषद, कार्य परिषद के सदस्यों का स्वागत किया गया। उन्होने बताया कि सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में कुल 55 शिक्षक एवं 1300 छात्रों द्वारा अध्ययन कर रहे हैं। विश्वविद्यालय का प्रत्येक कक्ष वाई–फाई से जुड़ा हुआ है तथा 80 के0वी0 का सोलर सिस्टम भी स्थापित है। विश्वविद्यालय को प्रदेश में सबसे पहले रिजल्ट घोषित करने में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के बारे में विस्तार से बताया गया। मेडल प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को बधाई दिया गया। इसके पश्चात राज्यपाल, उ0प्र0ध्कुलाधिपति आनन्दी बेन पटेल द्वारा भेजे गये संदेश को पढ़कर उपस्थित जन समूह को जानकारी दिया गया। सम्बोधन के पश्चात सभी लोगो द्वारा सामूहिक रूप से राष्ट्रगान जन–गण–मन का गायन किया गया। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर में आयोजित छठॉ दीक्षान्त समारोह में कुलपति प्रो0 हरिबहादुर श्रीवास्तव द्वारा उपस्थित मुख्य अतिथि एवं सभी के प्रति आभार प्रकट किया गया। इस दीक्षान्त समारोह में पूर्व कुलपति सिद्धार्थ विश्वविद्यालय प्रो0 रजनीकान्त पाण्डेय, प्रो0 सुरेन्द्र दुबे, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, विधायक डुमरियागंज माता प्रसाद पाण्डेय, विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा, कुल सचिव डा0 अमरेन्द्र बहादुर सिंह तथा सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के छठॉ दीक्षान्त समारोह के आयोजन समिति के सदस्य तथा कार्य परिषद के सदस्य तथा सिद्धार्थ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त महाविद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित रहे।

आधी आबादी के हाथों में होगी कमान, फिर भी नारी शक्ति परेशान

दिलीप श्रीवास्तव/
दैनिक बुद्ध का सन्देश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। इस बार डुमरियागंज नगर पंचायत की सीट सामान्य महिला के लिए आरक्षित हो गयी है, जिसकी वजह से सक्रिय राजनीति में अपनी भूमिका निभा रही महिलायेँ तो खुश हैँ, लेकिन साथ ही बहुत से ऐसे पुरुष भी खुश हैँ जो पुरुष सीट होने पर खुद चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे और अलग अलग पार्टियों से अपनी उम्मीदवारी पक्का मान कर क्षेत्र में सक्रिय थे यराजनीति में सक्रिय महिलाओं की खुशी तो समझ में आती है लेकिन ऐसे पुरुष जो खुद चुनाव नही लड़ सकते वो खुश क्यों हैँ। ऐसे पुरुषों की खुशी का एकमात्र कारण है कि अब वो नगर पंचायत की कुर्सी पर अपनी दावेदारी अपनी धर्म पत्नी, माता या बहन के जरिये रखेंगे यअब गौर करने वाली बात ये है कि पार्टियां भी इस बात को जानती हैँ कि महिला सीट होने की स्थिति में ज्यादातर पुरुष ही नगर पंचायत की सीट अप्रत्यक्ष रूप से चलाते हैँ उसके बाद भी पार्टियां सभी बातों को नजरअंदाज करते हुए सिर्फ जिताऊ प्रत्याशी को ही टिकट दे देती हैँ। प्रश्न ये उठता है कि एक महिला जब आम जनता के रूप में अपनी समस्या लेकर अपने महिला अध्यक्ष से मिलना चाहे तो उसकी मुलाकात महिला से ना होकर उस महिला के प्रतिनिधि से होती है, ऐसे में महिला सीट का क्या फायदा। डुमरियागंज नगर पंचायत में 13000 से ज्यादा महिला मतदाता है और लगभग लगभग हर पार्टी का महिला विंग भी है फिर भी पार्टियां सक्रिय राजनीति में अपनी भूमिका का निर्वहन कर रही किसी महिला को टिकट देने के बजाय किसी जिताऊ पुरुष उम्मीदवार के सगे संबंधी महिला को टिकट क्यों देती है। क्या ऐसा करने से महिलाओं के प्रति सभी राजनीतिक दलों के दोहरे चरित्र का पता नही चलता है। ऐसा करने से क्या सक्रिय राजनीति कर रही महिलाओं का अपमान नहीं होता है। ऐसा करने से बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ जैसे अभियान को धक्का नही लगता है। ऐसे ही कुछ ज्वलंत प्रश्नों के साथ जब हमने महिला मतदाताओं से बात की तो उनके प्रश्नों का जवाब सभी राजनीतिक दलों को सोचने पर मजबूर करने वाला था। एक प्राइवेट इंस्टिट्यूट में शिक्षक के रूप में सेवा दे रही नाजिया खातून ने मेरे प्रश्नों के जवाब में खुद ही प्रश्न करते हुए कहती हैँ कि एक महिला होने के बावजूद मेरे अब्बू के इंतकाल के बाद मैंने घर बाहर सब जिम्मेदारी संभाली, बहन की शादी से लेकर भाई के रोजगार लगवाने तक, महिलाओं को हमारे समाज ने हमेशा से कमतर आँका है, उन्होंने अपनी बात आगे बढ़ाते हुए कहा कि क्या कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स महिला नही थी, उनको समाज और परिवार का साथ मिला जिसकी वजह से उन लोगों ने अपना नाम अंतरिक्ष की दुनिया में अमर कर लिया यदि महिलाओं को भी मौका मिले तो महिलाएं बहुत कुछ कर सकती हैँ। गृहणी मंजू ने कहा कि एक महिला कोई भी काम बहुत ईमानदारी और व्यवस्थित तरीके से कर सकती है, जहाँ तक बात राजनीति की है तो हमारे सामने इंदिरा गाँधी जी हैँ जिन्होंने पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिये। मायावती हो, जयललिता हों या सुषमा स्वराज ये सभी महिला थी और इन लोगों ने राजनीति में अपना एक अलग मुकाम बनाया। एक प्राइवेट स्कूल में कार्यरत शशि ने कहा कि इस बार वो वोट उसी को देंगी जो सक्रिय राजनीति में होगा वो किसी भी पार्टी से क्यों ना हो। कुछ इसी तरह की बात गृहणी वंदना ने भी कहा, उन्होंने भी कहा कि राजनीतिक पार्टियों को भी अब सोचने की जरूरत है कि क्या वो सच में महिलाओं को बराबर का सम्मान दिलाना चाहते हैँ या सिर्फ सम्मान के नाम पर दिखावा करना चाहते हैँ। कई लड़कियों को मुफ्त में सिलाई, कढ़ाई की शिक्षा देकर आत्मनिर्भर बना चुकी और एन सी सी कैडेट रह चुकी अंजलि ने भी माना कि पहले कि तुलना में आज हमारे समाज में महिलाओं को लेकर विचार बदला है जिसकी वजह से यू पी बोर्ड हो या कोई अन्य बोर्ड लड़कियां टॉप कर रही हैँ, आज बड़ी बड़ी कंपनियों की सी ई ओ लड़कियाँ हैँ। अपनी बात आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि सन 2000 के ओलम्पिक खेलों में सैकड़ों पुरुष खिलाड़ियों के असफल होने के बाद भारोत्तोलन में कर्णम मल्लेश्वरी ने काँस्य पदक जीत कर 1 अरब लोगों की इज्जत बचाई थी। इसलिए अब राजनीतिक दलों को भी महिलाओं को कमतर आंकना बंद करना चाहिए और महिला सीट होने पर राजनीति में सक्रिय महिलाओं को ही टिकट देना चाहिए।

व्यापार मंडल बांसी ने एस डी एम को सौपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। व्यापार मंडल ने शुक्रवार को टेक धर मन्दिर के निकट विरोध सभा कर जी एस टी विभाग द्वारा की जा रही कार्यवाही की निंदा किया तथा मुख्यमंत्री के नाम संबोधित एक ज्ञापन एस डी एम को सौप कर छापेमारी की कार्यवाही को तुरंत बंद करने की मांग किया है। विरोध सभा को संबोधित करते हुए

आदर्श व्यापार मंडल के अध्यक्ष ने कहा कि जी एस टी विभाग के इस अभियान से व्यापारी काफी भयभीत है और इंस्पेक्टर राज का बोलबाला हो गया है। उन्होनें कहा कि यह अभियान अविलंब बन्द होनी चाहिए। इसके बाद उन्होनें एस डी एम प्रमोद कुमार और जीएसटी विभाग सिद्धार्थनगर खंड एक के डिप्टी कमिश्नर सिद्धार्थ सौरव से व्यापारियों की समस्याओं से अवगत कराया। विरोध सभा का संचालन महामंत्री डॉ अनूप कुमार ने किया। इस अवसर पर व्यापारी अजय कुमार श्रीवास्तव, गौरीशंकर, हरगोविंद साहू, नरेश चंदवानी, आलोक कुमार, राकेश कुमार आदि उपस्थित थे।

अवैध कब्जाधारियों पर 71 लाख रूपया का जुर्माना, बेदखली का आदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। नगर पालिका क्षेत्र में स्थित गड्ढे पर कब्जा किए लोगो पर चल रही कार्यवाही के क्रम मे शुक्रवार को एसडीएम न्यायालय ने तीन लोगो पर 71 लाख रूपया जुर्माना के साथ साथ बेदखली का आदेश किया है। एस डी एम न्यायालय से हो रही लगातार कार्यवाही से सरकारी जमीन व गड्ढे पोखरी पर अवैध कब्जा करने वालो मे हड़कंप मचा हुआ है। नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी विंध्याचल के अवैध कब्जा किए तीन लोगों के विरुद्ध प्रस्तुत आख्या को उत्तर प्रदेश प्रमीसेस एक्ट के तहत स्वीकार करते हुए एसडीएम न्यायालय ने स्वीकार करते हुए 30 वर्ष से गड्ढे की जमीन पर कब्जा किए अशोक नगर वार्ड निवासी मृतक हरीराम के वारिस अयोध्या, राधेश्याम व प्रह्लाद 23 लाख 80 हजार रुपये जुर्माना लगाते हुए बेदखली का आदेश दिया है। क्षतिपूर्ति नियमानुसार वसूल करने के लिए तहसीलदार को निर्देशित किया है। इसी प्रकार वार्ड के ही मृतक दशरथ पुत्र श्यामलाल के वारिस रविन्द्र पुत्र दशरथ पर 20 लाख 20 हजार रुपये जुर्माना वसूलते हुए उन्हें भी बेदखल करने का आदेश दिया है। अशोक नगर वार्ड निवासी ओरी पुत्र पंचम ,मृतक बहोरी के वारिस जमुना ,सरजू ,पिन्टू व मुन्ना पुत्रगण बहोरी तथा मृतक सरोही के वारिस अनिल,सुनील पुत्रगण सरोही 27 लाख 40 हजार का जुर्माना करते हुए बेदखली का आदेश दिया है। जकुमार, नवीन कुमार जमीन पर कब्जा कर 30 वर्ष से मकान बनाकर निवास कर रहे हैं। 22 लाख 30 हजार जुर्माना वसूल करते हुए बेदखल करने का आदेश दिया है। तीस वर्ष से गड्ढे पर अवैध रुप से काबिज तीन लोगो से 71 लाख रूपया जुर्माना वसूलने और कब्जा की किए गए भूभाग से उन्हें कड़ाई के साथ बेदखल करने का निर्देश तहसीलदार डा. संजीव दीक्षित को दिया है। तीन दिनों कब्जाधारियों पर निरंतर चल रही कार्रवाई से अन्य अवैध कब्जाधारियों में हड़कंप मचा है।

नई तकनीक का उपयोग कर लाई जा रही गाड़ी संचलन में डीजल के खपत में कमी

गोरखपुर। पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री सुविधा, पर्यावरण संरक्षण हेतु नई तकनीक का उपयोग कर गाड़ी संचलन में डीजल के खपत में कमी लाई जा रही है, फलस्वरूप रेल राजस्व में भारी बचत हो रही है। पूर्वोत्तर रेलवे पर 12535/12536 लखनऊ–रायपुर–लखनऊ एवं 12593/12594 लखनऊ–भोपाल–लखनऊ गरीब रथ एक्सप्रेस गाड़ियों के आई.सी.एफ. टाइप रेक को हेड ऑन जनरेशन सिस्टम से युक्त किया गया है। इसके फलस्वरूप प्रतिवर्ष 341.4 किलो लीटर डीजल प्रतिवर्ष बचत होगी, जिससे रू0 4.1 करोड़ के रेल राजस्व की बचत होगी । 12535/12536 लखनऊ–रायपुर–लखनऊ एवं 12593/12594 लखनऊ–भोपाल–लखनऊ गरीब रथ एक्सप्रेस गाड़ियों में आई.सी.एफ. टाइप के 10 वातानुकूलित कोच एवं 02 पावरकार लगाये जाते हैं। इन गाड़ियों में वार्षिक डीजल खपत लगभग 341.4 किलो लीटर थी, जिसकी लागत रू0 4.1 करोड़ आती थी। इन गरीब रथ एक्सप्रेस गाड़ियों के रेक को हेड ऑन जनरेशन प्रणाली से युक्त करने के लिये तकनीकी आवश्यकताओं की पूर्ति की गई है। इन गाड़ियों के एच.ओ.जी. प्रणाली से युक्त होने के कारण डीजल खपत में कमी होने के फलस्वरूप रेल राजस्व में वृद्धि के साथ पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिल रहा है। ज्ञातव्य है कि एल.एच.बी.रेक को पहले से ही हेड ऑन जनरेशन तकनीक से चलाया जा रहा है। आई.सी.एफ (कन्वेंशनल) रेक में यह तकनीकी पहली बार प्रयोग में लाई जा रही है।

इण्डोनेपाल बार्डर पर गौ तस्कर गिरफ्तार

पंकज चौबे/
दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। ढेबरुआ थानाक्षेत्र का महादेव बुजुर्ग, बगही बार्डर हमेशा चर्चाओं में बना रहता है। जिसके पीछे तैनात सुरक्षा एजेन्सियों का सतर्क होना बताया जाता है। आये दिन एस.एस.बी. उप निरीक्षक सतेंद्र कुमार के नेतृत्व में कुछ न कुछ खुलाशे होते रहते है। एस.एस.बी. व पुलिस की संयुक्त

टीम ने बगही बॉर्डर पिलर नंबर 565ध65 के पास से बीते शुक्रवार सुबह 5.10 बजे 15 मवेशी (पड़वा) के साथ एक वक्ति बरामद कर कार्यवाही की है। उक्त के सम्बन्ध में 50 बटालियन के एस.एस.बी. उप निरीक्षक सतेंद्र कुमार ने बताया कि एस.एस.बी. जवान व बढ़घ्नी चौकी की पुलिस संयुक्त गस्त कर रही थी, कि इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली की एक व्यक्ति भारत से नेपाल की ओर मवेशी (पड़घ्वा) लेकर जाने की फिराक में है, जिसका संज्ञान लेकर गस्त बढ़ा दी गयी। इसी बीच भारत से 15 मवेशी के साथ एक व्यक्ति दिखाई दिया। पूछताझ में युवक ने अपना नाम सोनू जयसवाल (17) पुत्र रवि जैसवाल निवासी नजरगढ़वा थाना ढेबरुआ, जिला सिद्धार्थनगर बताया।

आखिर क्यों पुलिस की पकड़ से दूर है मेन तस्कर

सूत्रों की माने तो मेन पड़वा तस्कर नजरगढ़वा निवासी व बॉर्डर पर सहयोग करने वाला वसन्तपुर निवासी काफी दिनों से पड़वा तस्करी में संलिप्त है पकड़ में सिर्फ कैरियर ही आ रहे है। इस दौरान उप0नि0 सतेंद्र कुमार, साआ. राधेश्याम, साव उपव नि व सोमदत्त, मधुमत सेट्टी, कनिक राम चौहान, दुर्गेश कुमार, शेखर कुमार एव चौकी इन्चार्ज बढ़नी उप नि ब्रिजेश सिंह, कांस्टेबल पवनेश सिंह आदि मौजूद रहें।

सम्पादकीय

मेजबानी की बहाने

इस विभाजन का गहरा साया हाल में इंडोनेशिया में हुई शिखर बैठक के दौरान देखने को मिला। वहां यह साफ हो गया कि मौजूदा हालात में यह समूह निर्णायक तो दूर, कोई सामान्य भूमिका निभाने की स्थिति में भी नहीं है। जी–20 का गठन भूमंडलीकृत होती विश्व अर्थव्यवस्था में खड़े होने वाले मसलों के हल ...

जी–20 की खत्म होती प्रासंगिकता मोदी सरकार के लिए संभवतरू चिंता का पहलू इसलिए नहीं है क्योंकि इसकी मेजबानी के बहाने उसे अगले आम चुनाव के लिए एक बड़ा नैरैटिव खड़ा करने का मौका मिला है। यह खबर सुन कर हैरत हुई कि जी–20 की मेजबानी से संबंधित मुद्दों की विपक्ष को जानकारी देने और उसकी राय जानने के लिए नरेंद्र मोदी सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इसलिए कि इस सरकार का नजरिया अक्सर विपक्ष को हाशिये पर धकेलने, बल्कि यहां तक कि शविपक्ष मुक्तय भारत बनाने का रहा है। ऐसे में एक अंतरराष्ट्रीय समूह की मेजबानी जैसे सामान्य मसले पर सर्वदलीय बैठक बुलाई गई, तो साफ है कि सरकार इसके जरिए अपने घरेलू समर्थक वर्ग के बीच विशेष माहौल बनाना चाहती है। मकसद संभवतरू यह है कि यह वर्ग अगले साल भर तक इससे जुड़ी चर्चाओं में खोया रहे और इसके जरिए पहले ही बनाई गई यह धारणा और पुष्ट हो कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व गुरु बन रहा है। वरना, हर साल होने वाली शिखर बैठक अलग–अलग देशों में होती है और इसकी मेजबानी आम तौर पर रोटेशन से तय होती है। मेजबान की इसमें कुछ खास भूमिका तो होती है, लेकिन वह निर्णायक महत्त्व की नहीं होती। इसलिए मेजबान बनने के नाते भारत इस समूह को कोई नई दिशा दे सकेगा या इसकी कमजोर पड़ रही प्रासंगिकता को बहाल कर पाएगा, इसकी कोई संभावना नहीं है। इस ग्रुप की प्रासंगिकता इसलिए कमजोर पड़ रही है, क्योंकि इसमें शामिल कई प्रमुख देश आज एक दूसरे के विरोधी खेमों का हिस्सा बनते दिख रहे हैं। इस विभाजन का गहरा साया हाल में इंडोनेशिया में हुई शिखर बैठक के दौरान देखने को मिला। वहां यह साफ हो गया कि मौजूदा हालात में यह समूह निर्णायक तो दूर, कोई सामान्य भूमिका निभाने की स्थिति में भी नहीं है। जी–20 का गठन भूमंडलीकृत होती विश्व अर्थव्यवस्था में खड़े होने वाले मसलों के हल पर आम सहमति बनाने के लिए हुआ था। 2008 की वैश्विक आर्थिक मंदी के बाद इसकी विशेष भूमिका बनी, जब इसके वार्षिक शिखर सम्मेलनों का सिलसिला शुरू हुआ। लेकिन अब ग्लोबलाइजेशन की प्रक्रिया उलटी दिशा में चल पड़ी है। यूक्रेन युद्ध तो साफ–साफ इस वैश्विक व्यवस्था को तोड़ दिया है। ऐसे में यह समूह अपनी प्रासंगिकता के लिए संघर्षरत है। बहरहाल, यह मोदी सरकार के लिए संभवतरू चिंता का पहलू इसलिए नहीं है क्योंकि इसकी मेजबानी के बहाने उसे 2024 के आम चुनाव के लिए एक बड़ा नैरैटिव खड़ा करने का मौका मिला है।

न पार्टी, न नेता का, अब दिल्ली और दिल्लीवालों का जीतना है जरूरी

दिल्ली दिलवालों की है, पर दिल्ली के दिल और सेहत का क्या हाल है? यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो की एयर क्वॉलिटी लाइफ इंडेक्स 2022 की रिपोर्ट कहती है कि वायु प्रदूषण के कारण दिल्लीवालों की जीवन प्रत्याशा में नौ साल की कमी आई है। यह बात सिर्फ आंकड़ों तक सीमित नहीं है। दमे और सांस के गंभीर रोगों से जूझ रहे लोगों को डॉक्टर सलाह देते हैं कि दिल्ली छोड़ दें। एससीडी चुनावों के नतीजे घोषित हो जाने के बाद इन आंकड़ों और हालात का जिक्र इसलिए कि वायु प्रदूषण का एक बड़ा कारण यहां सुलगते कूड़े के पहाड़ भी हैं। कूड़े के पहाड़ इसलिए हैं, क्योंकि दिल्ली की बढ़ती आबादी के मद्देनजर यहां के सॉलिड वेस्ट का बेहतर और वैज्ञानिक तरीके से मैनेजमेंट नहीं किया गया। सवाल है कि दिल्ली के नेता अब क्या करने वाले हैं? मेयर किसका हो, पावर किसके हाथ रहे, बजट को कौन खर्च करे, इस पर सियासत उलझेगी या फिर कूड़ा कैसे साफ हो, दिल्ली की धूल–गर्दा और प्रदूषण कैसे छंटे, इसे प्राथमिकता में लिया जाएगा। दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी का दर्जा हासिल कर चुकी दिल्ली अगले साल जब जी–20 सम्मेलन को होस्ट करेगी, क्या तब भी ऐसे ही हालात रहेंगे? कई लोग एमसीडी चुनावों के नतीजों का अपने–अपने ढंग से विश्लेषण कर रहे हैं कि किस मंत्री, सांसद और विधायक के क्षेत्र में किस पार्टी ने कैसा परफॉर्मेंस किया, किस पार्टी ने किस दूसरी पार्टी के वोट बैंक को हड़प लिया या कौन कितने ज्यादा वोटों से जीता और पार्टियों का वोट प्रतिशत क्या रहा, लेकिन दिल्लीवालों के असल सवाल ये नहीं हैं। उनकी फिक्र अपने बच्चों और परिवार की सेहत को लेकर है। घर के सामने लगने वाला कूड़े का ढेर है। कूड़े के पहाड़ों के सुलगने से दिल्ली के वातावरण में घुलने वाली जहरीली गैसे हैं। ओखला, भलस्वा और गाजीपुर के लैंडफिल साइट के आस–पास रहने वाली आबादी से पूछिए। क्या उन्हें मतलब है कि कौन कितने वोटों से जीता? उनका मतलब केवल इस बात से है कि क्या एमसीडी में आने वाली नई स्थानीय सरकार उन्हें जहरीले धुएं से मुक्ति दिलाएगी। गाजीपुर के आस–पास रहने वाले दिल्ली व एनसीआर के लाखों लोगों को क्या हर वक्त महसूस होने वाली सड़ांध से मुक्ति मिलेगी। ऐसी रिपोर्ट है कि इन कूड़े के पहाड़ों से नीचे रिसने वाले रासायनिक अपशिष्ट भूमिगत पानी के स्रोतों को भी प्रदूषित कर रहे हैं। इन इलाकों में आस–पास के लोगों को सांस के साथ–साथ खुजली, त्वचा रोग और एलर्जी की बीमारियां भी हो रही हैं। त्वचा रोग संक्रामक रोग होते हैं। अगर दिल्ली के किसी खास इलाके में ऐसे लोगों की बहुतायत है, तो वे लोग मेट्रो, बस और दूसरी भीड़भाड़ वाली जगहों पर दूसरी आबादी से भी मिलते हैं। कहने का मतलब यह है कि कूड़े के पहाड़ और अवैज्ञानिक सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट दिल्ली एनसीआर के किसी खास इलाके की समस्या नहीं, बल्कि पूरी आबादी की दिक्कत है। इससे मुक्ति के लिए आप, बीजेपी और कांग्रेस, तीनों को मिलकर काम करना होगा। अगर सियासी उठापटक ही चलती रही, तो राजनीति और नेता तो जीत जाएंगे, पर दिल्लीवाले हार जाएंगे। नेताओं के लिए जरूरी है कि वे दिल्ली के बारे में सोचें।

फिलवक्तमहंगाई नियंत्रण पर नजर

रूस और यूक्रेन अभी भी अपने–अपने ईगो पर अड़े हुए हैं। इस वजह से वैश्विक स्तर पर महंगाई बढ़ रही है। चूंकि रेपो दर में बढ़ोतरी से महंगाई कम होती है, इसलिए महंगाई को सहनशीलता सीमा के अंदर लाने के लिए रिजर्व बैंक को ताजा मौद्रिक समीक्षा में भी रेपो दर में इजाफा करना पड़ा। हालांकि, रेपो दर में ज्यादा बढ़ोतरी से विकासात्मक कार्यों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, और बैंकों के लिए मुश्किलें बढ़ती...

सतीश सिंह

मंहगाई को नियंत्रित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक को रेपो दर में बार–बार इजाफा करना पड़ रहा है, क्योंकि इसमें बढ़ोतरी से ऋण दर में इजाफा होता है, लेकिन महंगाई में कमी आने की संभावना बढ़ जाती है।

रेपो दर में वृद्धि से बैंक महंगी दर पर कर्ज देते हैं, जिससे लोगों के पास पैसों की कमी हो जाती है। कम आय और उत्पादों की ज्यादा कीमत होने से मांग में कमी आती है, और जब किसी उत्पाद की मांग में कमी आती है, तो उसकी कीमत में भी कमी आ जाती है। सात दिसम्बर की मौद्रिक समीक्षा में रिजर्व बैंक ने रेपो दर में 0.35 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जिससे रेपो दर 5.90 से बढ़कर 6.25 प्रतिशत हो गई।

वैसे, खुदरा महंगाई अभी भी रिजर्व बैंक द्वारा तय महंगाई दर की ऊपरी सीमा 6.00 प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। रिजर्व बैंक का मानना है कि वित्त वर्ष 2023 में खुदरा महंगाई 6.7 प्रतिशत रह सकती है। केंद्रीय बैंक इसे 4 प्रतिशत के स्तर पर लाना चाहता है, लेकिन वित्त वर्ष 2024 में भी महंगाई दर के 5.4 प्रतिशत पर रहने का अनुमान है। मौजूदा परिदृश्य में लगता है कि महंगाई लंबे समय तक परेशान करने वाली है। महंगाई के उच्च स्तर पर रहने के बावजूद ऋण दर में उल्लेखनीय तेजी आने की वजह से अर्थव्यवस्था थोड़ी बेहतर स्थिति में है अन्यथा जीडीपी वृद्धि की रफ्तार और भी कम होती। केंद्रीय बैंक के अनुसार 18 नवम्बर, 2022 तक बैंकों द्वारा दिया जाने वाला ऋण 17.2 प्रतिशत बढ़कर 129.48 लाख करोड़ रु पये हो गया जबकि 4 नवम्बर को ऋण वृद्धि दर 17 प्रतिशत थी। कर्ज की मांग में तब तेजी आ रही है, जब ऋण दर ज्यादा है, अगर यह सस्ती होती तो भारत में जीडीपी की रफ्तार और भी तेज होती। उधारी में उठाव और रेपो दर में वृद्धि की वजह से बैंकों को जमा बढ़ाने पर जोर देना पड़ रहा है। विगत 12 महीनों में 12 सरकारी बैंकों में से महज 4 बैंकों ने जमा में दो अंकों की वृद्धि दर्ज की जबकि एक को छोड़कर अन्य बैंकों की उधारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। बैंक ऑफ महाराष्ट्र की उधारी में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि जमा में 8 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई। सेंट्रल बैंक की ऋण वृद्धि दर 12 प्रतिशत है, लेकिन जमा वृद्धि दर महज 2 प्रतिशत। निजी बैंकों में भी ऐसे ही हालात हैं। सभी सूचीबद्ध निजी बैंकों में से केवल दो बैंकों ने ऋण के मुकाबले जमा में अधिक वृद्धि दर्ज की। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में जमा वृद्धि दर 37 प्रतिशत रही जबकि ऋण वृद्धि दर 32 प्रतिशत। यस बैंक की जमा वृद्धि दर 13 प्रतिशत रही जबकि ऋण वृद्धि दर 11 प्रतिशत। 18 नवम्बर, 2022 को बैंकों के जमा में वृद्धि पिछले साल की समान अवधि में 9.6 प्रतिशत बढ़कर 172.95 लाख करोड़ रुपये हो गई जो 4 नवम्बर के 8.2 प्रतिशत वृद्धि की तुलना में थोडा ज्यादा है। बैंक बॉन्ड के जरिए भी पूंजी जुटाने की कोशिश कर रहे हैं। भारतीय स्टेट बैंक ने हाल में 10 वर्षीय इंफ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड के पहले निर्गम के जरिए 10,000 करोड़ जुटाए हैं।

मुद्रास्फीति की वजह से लोगों की खरीदने की क्षमता घट जाती है। भारत समेत अनेक देशों के लोगों की क्रय शक्ति कम हो गई है। ऐसे में लोगों की कमाई कम नहीं होती है, लेकिन मुद्रा की कीमत कम हो जाने से लोगों को किसी भी वस्तु को खरीदने के लिए ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ते, जिसके कारण वे न तो जरूरत के सामान खरीद पाते हैं, और न ही बचत कर पाते हैं। आर्थिक गतिविधियां धीमी पडने लगती हैं। उत्पादन और विकास दर, दोनों में गिरावट दर्ज की जाती है। रोजगार सृजन का कार्य बंद हो जाता है और लोगों के हाथों से रोजगार फिसलने लगते हैं। महंगाई की वजह से विविध उत्पादों की मांग में कमी आती है और मांग में कमी आने से कल–कारखानों को उत्पादन को कम करना पड़ता है, जिसके कारण कंपनियों को नुकसान उठाना पड़ता है, और लंबी अवधि तक नकारात्मक स्थिति बनी रहने से कंपनियां बंद भी हो जाती हैं।

उच्च महंगाई दर के लिए घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय, दोनों कारण जिम्मेदार हैं जिनमें अंतरराष्ट्रीय कारण ज्यादा महत्त्वपूर्ण हैं। भू–राजनैतिक संकट का अभी भी समाधान निकलता नहीं दिख रहा। रूस और यूक्रेन अभी भी अपने–अपने ईगो पर अड़े हुए हैं। इस वजह से वैश्विक स्तर पर महंगाई बढ़ रही है। चूंकि रेपो दर में बढ़ोतरी से महंगाई कम होती है, इसलिए महंगाई को सहनशीलता सीमा के अंदर लाने के लिए रिजर्व बैंक को ताजा मौद्रिक समीक्षा में भी रेपो दर में इजाफा करना पड़ा। हालांकि, रेपो दर में ज्यादा बढ़ोतरी से विकासात्मक कार्यों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, और बैंकों के लिए मुश्किलें बढ़ती हैं। बावजूद इसके, रिजर्व बैंक और सरकार फिलवक्त मंहगाई को नियंत्रित करने की नीति पर चल रहे हैं क्योंकि लंबी अवधि में इससे विकास दर में तेज वृद्धि हो सकती है।

सत्ता और विपक्ष के लिए असमान हुए भारतीय चुनाव मैदान के नियम

बहरहाल, राजनीतिक चंदे में अभी भी इस तरह का कैश मौजूद है। यह उम्मीद की गई थी कि इलेक्टोरल बश्वन्ड की शुरुआत राजनीतिक चंदे की अस्पष्टता के इस खतरे को कम करेगी। लेकिन इसकी प्रकृति और जारी करने के तौर–तरीके ऐसे रहे कि यह राजनीतिक दलों के बीच समान फंड वितरण बनाने में विफल रहा और बड़े पैमाने पर सत्ताधारी पार्टी इसका मुख्य संरक्षक बने रहे, चाहे वह राज्य...

मृगांका एम भौमिक

आजादी के बाद से कॉरपोरेट राजनीतिक फंडिंग का सबसे बड़ा स्रोत बने हुए हैं। जब तक एक स्वतंत्र और अधिकार प्राप्त एजेंसी के माध्यम से चुनावी बॉन्ड जारी नहीं किया जाता है, जो अंतिम मील तक दानदाताओं की गुमनामी की गारंटी देता है, तब तक राजनीतिक फंडिंग में नकद अर्थव्यवस्था पूरी तरह से समाप्त नहीं होगी। इसके अलावा, सरकार की नजर में राजनीतिक कोष का योगदान धनतंत्र की ओर ले जायेगा जहां बड़े कॉर्पोरेट सार्वजनिक नीति को प्रभावित कर सकते हैं।

विपक्षी नेताओं पर सिलसिलेवार छापों को लेकर भाजपा और विपक्षी दलों के बीच चल रही खींचातान में विच–हंट (विरोधियों का शिकार करने) के गुण हो भी सकते हैं और नहीं भी। लेकिन एक असहज करने वाला तथ्य जो लोगों की आंखों के सामने आ रहा है वह यह है कि भारतीय राजनीतिक व्यवस्था नकदी अर्थव्यवस्था पर फलती–फूलती रही है।इसमें आजादी के बाद से भारत में अपारदर्शी राजनीतिक फंडिंग प्रणाली को अधिक दोषी ठहराया जा सकता है।इस अपारदर्शिता की घूंघट में व्यक्तिगत धन सृजित होता है।

दोष रेखा इस तथ्य पर निहित है कि राजनीतिक दल एक राज्य या एक क्षेत्र या यहां तक कि एक जिले जैसे क्षेत्र को निध ारित करके विकेंद्रीकृत मॉडल में धन जुटाने के लिए अपने नेताओं को जिम्मेदारियां देते हैं।इससे धन उगाही करने वाले नेताओं की सत्ता की जागीर बनती है जो अपने लिए भी अकूत धन कमा लेते हैं। राजनीतिक फंडिंग की यह प्रणाली दशकों से चली आ रही है और इसका प्रदर्शन किया जाता रहा है।यह भारत में सभी भ्रष्टाचारों की परम जननी है।

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि राजनीतिक दलों को चुनाव प्रचार के लिएऔर कार्यकर्ताओं को जुटाने के लिए भी धन की आवश्यकता होती है।यह लोकतंत्र का दूसरा पहलू है जहां जन लामबंदी के लिए धन के माध्यम से जमीनी हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है, अकेले आदर्शवाद परिणाम नहीं ला सकता है।राजनीतिक दलों को लगता है कि सत्ता में आने के लिए पैसा अपरिहार्य है।तो, प्रिय नेता वे हैं जो पार्टी के लिए धन जुटा सकते हैं। धन उगाहना एक महत्वपूर्ण कौशल है, जो सामूहिक नेतृत्व कौशल के समकक्ष है।इस स्थिति में नेताओं को यह भी लगता है कि उनके पास भी दलगत राजनीति के घड़ियाली तालाब में टिके रहने के लिए ध नबल होना चाहिए।कहने की आवश्यकता नहीं है, ये लेन–देन की प्रथाएं, व्यापार और राजनीति के अपवित्र गठजोड़, पार्टी के चुनाव टिकटों की बिक्री आदि पार्टी के लिए धन जुटाने के नाम पर चलती हैं। अधिकांश राजनीतिक दलों के रूप में, फंड जुटाना एक विकेन्द्रीकृत तंत्र है, जो जिला से लेकर राज्य स्तर तक नेतृत्व स्तर पर कई स्तरों पर निर्भर करता है।शीर्ष पर पहुंचने का एक निश्चित तरीका है पार्टी के वॉर चेस्ट में फंडिंग नोजल संलग्न करना।तो, यह भ्रष्ट लेकिन सक्षमज् नेताओं के लिए खुली छूट बन जाती है, जो रास्ते में कुछ सौ करोड़ भी कमाते हैं।पार्टी सुप्रीमो यह सब जानते हैं, लेकिन उन्हें आंखें मूंदे रहने की जरूरत होती है, क्योंकि या तोज्पावर का मामला हैज्। स्वतंत्रता के बाद भारतीय राजनीतिक फंडिंग में बहुत अधिक परिवर्तन नहीं हुए हैं। यह पुराने ढर्रे में ही कैद तथा कॉर्पोरेट से धन जुटाने पर ही केन्द्रित रहा है। हालांकि कुछ नियंत्रण और संतुलन लागू किये गये थे लेकिन वे मुख्य रूप से सत्ता में पार्टी की सुविधा से प्रेरित थे। हाल का इलेक्टोरल बांड स्कीम जिसे वित्त अधिनियम 2017 द्वारा शुरू किया गया इसी तरह की पहल है। इस योजना के तहत कार्पोरेट को किसी भी पार्टी राजनीतिक दान देने की अनुमति है तथा दाता का नाम बांड में उल्लेखितकरने की आवश्यकता नहीं होती। मार्च 2018 में विदेशी योगदान पंजीकरण अधिनियम, 2010 में संशोधन के साथ–साथ भारतीय राजनीतिक दल को निधि देने के लिए भारत में कार्यालय रखने वाली विदेशी कंपनियों का मार्ग प्रशस्त हुआ। ये बदलाव उन पार्टियों के लिए शुभ संकेत हो सकते हैं जो अपने केंद्रीय खजाने में दानदाताओं को एकजुट करके फंडिंग के लिए बिचौलियों को काटना चाहती हैं।चंदे के लिए हाशिए के नेताओं पर निर्भरता को दूर कर इस व्यवस्था को अपनाने के लिए भाजपा तेजी से आगे बढ़ रही थी।इसने पार्टी के केंद्रीय खजाने में धन समेकन के कारण पार्टी में कई शक्ति केंद्रों का सफाया करने में उनकी मदद की।जाहिर है, भाजपा को च्द पार्टी इन पावरज् होने का फायदा है।लेकिन अन्य पार्टियां उन परिवर्तनों को अपनाने में धीमी प्रतीत होती हैं जिनका उद्देश्य बैंकिंग चौनल के माध्यम से योगदान प्राप्त करना और पुराने तंत्र पर निर्भर रहना था।

बहुत लंबे समय तक राजनीतिक वित्त पोषण में मुख्य रूप से भूमि, शराब और खनन का वर्चस्व था। राजस्व का एक बड़ा हिस्सा इस राजनीतिक धन के बदले ध नदाताओं को कई तरीकों से दिया जाता था जिसमें भूमि उपयोग में परिवर्तन (सीएलयू), शराब पर उत्पाद शुल्क और खानों की रॉयल्टी में छूट आदि शामिल हैं। चूंकि ये ऐसे क्षेत्र हैं जो राज्यों की विवेकाधीन शक्ति के दायरे में हैं और अधिकतर चुनाव से पहले इसका उपयोग कर धन एकत्रित किया जाता रहा है। यह देखा गया है कि इस प्रकार का वित्त पोषण आमतौर पर नकदी के माध्यम से होता है जो आमतौर पर अभियान के वित्त पोषण के लिए व्यवस्थित तरीके से उपयोग किया जाता है। स्थानीय स्तर पर राजनीतिक भागीदारी महत्वपूर्ण रही है क्योंकि ये सभी व्यावसायिक कार्यक्षेत्र स्थानीय भूगोल पर आधारित हैं। यह बिल्कुल स्पष्ट है कि जब पैसा कैश मोड में बेहिसाब तरीके से आता है, तो इसका एक हिस्सा पार्टी तक पहुंचता है। कई बार शेष चंदा उन्हें इकत्रा करने वाले नेताओं की जेब में जाते रहे हैं। कहने की जरूरत नहीं है कि यह राजनीति में अपराधियों और अनैतिक राजनीतिक प्रथाओं का प्रवेश द्वार है। प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा इन व्यवसायों पर पैनी नजर रखने के साथ–साथ बेहतर विनियामक व्यवसाय ढांचे के कारण इन परस्पर–समर्थक प्रथाओं में कमी आई है। बहरहाल, राजनीतिक चंदे में अभी भी इस तरह का कैश मौजूद है। यह उम्मीद की गई थी कि इलेक्टोरल बॉन्ड की शुरुआत राजनीतिक चंदे की अस्पष्टता के इस खतरे को कम करेगी। लेकिन इसकी प्रकृति और जारी करने के तौर–तरीके ऐसे रहे कि यह राजनीतिक दलों के बीच समान फंड वितरण बनाने में विफल रहा और बड़े पैमाने पर सत्ताधारी पार्टी इसका मुख्य संरक्षक बने रहे, चाहे वह राज्य में हो या केंद्र में। समस्या इसके प्रकटीकरण मानदंडों में निहित है।

सीडीओ ने किया सकरन की कई ग्राम पंचायतों का औचक निरीक्षण

सकरन (सीतापुर)। विकासखंड सकरन क्षेत्र के अंतर्गत मुख्य विकास अधिकारी के औचक निरीक्षण की खबर से अधीनस्थ अधिकारियों कर्मचारियों में खलबली मच गई। आनन–फानन में संभावित स्थानों पर कर्मचारियों को भेजकर मौके का जायजा लिया जाने लगा। निरीक्षण में मुख्य विकास अधिकारी अक्षत वर्मा के द्वारा कई स्थानों पर साफ सफाई, मध्यान भोजन की गुणवत्ता, पानी की टंकी आदि पर नाराजगी जताते हुए कार्यो को दुरुस्त करने के निर्देश भी दिए गये। बृहस्पतिवार को जनपद के मुख्य विकास अधिकारी अक्षत वर्मा के द्वारा विकासखंड सकरन की कई ग्राम पंचायतों के औचक निरीक्षण के क्रम में राजकीय इंटर कॉलेज सांडा में मनरेगा योजना से निर्मित खेल मैदान की मरम्मत की गुणवत्ता देखी गई। जिम्मेदारों को मैदान में दौड़ पथ बनाने के निर्देश दिए गये। साथ ही पास में स्थित प्राथमिक विद्यालय सकरन खुर्द का भी निरीक्षण किया गया। विद्यालय में बच्चों से शैक्षिक गुणवत्ता को लेकर बात की गई। बच्चों की बैठने की व्यवस्था को देखते हुए मध्यान भोजन की गुणवत्ता को भी देखा गया। विद्यालय के शौचालय की साफ–सफाई को लेकर नाराजगी जाहिर करते हुए अधीनस्थों को साफ सफाई के निर्देश दिए गए। सकरन खुर्द का पंचायत भवन जर्जर होने की स्थिति में पंचायत सहायक के द्वारा स्कूल के ही एक कमरे में कार्यों का संचालन किए जाने पर पंचायत सहायक से जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र सहित अन्य पंचायत संबंधी कार्यों के बारे में जानकारी की गई। विद्यालय में विकलांग शौचालय का निरीक्षण कर गुणवत्तापूर्ण बनाए जाने के निर्देश दिए इसके पश्चात नसीरपुर अंदूपुर ग्राम पंचायत में अमृत वाटिका का निरीक्षण किया अधूरे पड़े पंचायत भवन को जल्द से जल्द कार्य पूर्ण कराएं जाने के निर्देश दिए गए। इसी क्रम में ग्राम पंचायत कम्हरिया खुनखुन में जल निगम से बनवाई जा रही पानी की टंकी में पानी सप्लाई के आउटरवॉल व विद्युत मीटर के खराब होने पर नाराजगी जताते हुए जल निगम के जेई को जल्द से जल्द व्यवस्था दुरुस्त कराने के निर्देश दिए गये। साथ ही कम्हरिया खुनखुन में मिया बाकी पद्धति से किए गए वृक्षारोपण का भी निरीक्षण किया गया। जिसके बाद अधीनस्थों को विकासखंड के कई अन्य ग्राम पंचायतों में अधूरे पड़े पंचायत भवनों आदि को जल्द से जल्द कार्य पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए गये। मुख्य विकास अधिकारी अक्षत वर्मा ने बताया कि शासन के निर्देशों को ध्यान में रखते हुए समय–समय पर विकास कार्यों का निरीक्षण किया जा रहा है विकास कार्यों में गुणवत्ता आदि पर विशेष बल दिया जा रहा है। लापरवाही व हीला हवाली करने वाले जिम्मेदारों पर कार्यवाही भी की जा रही है। निरीक्षण के दौरान जिला विकास अधिकारी, खंड विकास अधिकारी राम लगन वर्मा, अतिरिक्त खंड विकास अधिकारी चंद्रभान सिंह, जेई शैलेश वर्मा सहित ब्लॉक के तमाम अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

जीएसटी अधिकारियों की छापेमारी से थर्राया जनपद व कस्बा

महोली व नेरी दुकानदारों में दिन भर व्याप्त रहा डर कही बन्द कही खुली रही दुकानें

महोली (सीतापुर)। आज चौथे दिन भी जीएसटी इनकम टैक्स टीम जनपद व कस्बे में दिखाई दी। परन्तु सभी बड़ी दुकाने बंद मिली। वहीं महोली में इस छापेमारी की सूचना आग की तरह समूचे कस्बे में फैल गई। जिसको लेकर कपड़ा, किराना, खाद विक्रेता, स्वर्णकार, वर्तन विक्रेता आदि सभी बड़े दुकानदारों में खलबली मची रही। वह अपनी दुकानें बंद करके गायब हो गए और घरों से व्यापारी इधर–उधर फोन करके अधिकारियों की जानकारी करने में व्यस्त रहें। जबकि कस्बों के दुकानदारों ने अपनी अपनी दुकानों पर जीएसटी नम्बर तो लिखाकर लगा रखा है। तो फिर दुकानदार छापेमारी और जांच से क्यों डरते है या तो इनका जीएसटी नम्बर फर्जी है या फिर जितना दुकानों में माल भरा है। उसके सापेक्ष में यह इनकम टैक्स अदा नहीं करते हैं। यह गम्भीर जांच का विषय है। इस छापेमारी के दौरान बंद दुकानों के दुकानदारों को चिन्हित करके अगर उनके विरुद्ध एक बार कड़ी प्रशासनिक कार्यवाही कर दी जाये तो शायद यह ईमानदारी से दुकानदारी करने लगेंगे। सबसे बड़ी बात यह है कि वर्तमान समय सहालग का दौर चल रहा है। लोगों को खाद्य सामग्री से लेकर जेवर, कपड़ा, बर्तन आदि बस्तुओं की विशेष आवश्यकता है। जिससे आम नगरिक का जहां शोषण हो रहा है। वहीं प्रत्येक माह टैक्स की चोरी करके सरकार को लाखों का चूना लगा रहे हैं। वहीं इसकी सूचना महोली कस्बे से आग की तरह ग्रामीण इलाकों के हाईवे पर स्थित नेरी चौराहे पर पहुंची। जिसको लेकर नेरी चौराहे की सभी दुकाने दुकानदारों द्वारा बंद कर दी गई तथा सभी दुकानदार अपनी–अपनी दुकानों के बाहर बैठकर लोगों से फोन के माध्यम से जानकारी करते रहे। वहीं दुकानदार इस छापेमारी से दहशत में हैं।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

सीतापुर। जिलाधिकारी अनुज सिंह की अध्यक्षता में विकास सभागार में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने एक–एक करके विभागावार संचालित योजनाओं एवं कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने चिकित्सा विभाग में कराये जा रहे निर्माण कार्यों की स्थिति की जानकारी ली एवं आवश्यक निर्देश संबंधित अधिकारी को दिये। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी से दवाओं एवं एम्बुलेंस की उपलब्धता की जानकारी करते हुये निर्देश दिये कि पर्याप्त मात्रा में दवाओं की उपलब्धता बनी रहे यह सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने पंचायती राज विभाग की समीक्षा करते हुये सामुदायिक शौचालय की स्थिति की जानकारी करते हुये संबंधित को निर्देश दिये कि निर्माण कार्यो में प्रगति लाते हुये सभी कार्यों को ससमय पूर्ण करते हुये हैण्डओवर किया जाये। उन्होंने शहर में स्थिति पार्को के सौन्दर्यीकरण की स्थिति की जानकारी लेते हुये पार्कों में चल रहे कार्यों में को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सीतापुर को दिये। जिलाधिकारी ने परियोजना डूडा से आवासों के लिये दी जाने वाले प्रथम किश्त एवं दितीय किश्त की जानकारी करते हुये निर्देशित किया कि सभी आवासों को समय से पूर्ण किया जाये तथा निर्माणाधीन आवासों में और तेजी के साथ कार्य किया जाये और पात्रों को ही आवास दिया जाये। पात्रों के नाम न काटे जाये यह सुनिश्चित किया जाये। लोक निर्माण विभाग की समीक्षा करते हुये उन्होंने नई सड़कें के निर्माण कार्यों की प्रगति जानी एवं संबंधित को निर्देश दिये कि जिन नई सड़कों पर कार्य चल रहा है। उन सड़कों को बनाने का कार्य जल्द से जल्द पूर्ण किया जाये तथा सड़क की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाये। उद्यान विभाग की समीक्षा करते हुये संबंधित को निर्देश दिये कि बीज का वितरण समय से करते रहें, लक्ष्य के सापेक्ष सभी कार्यों को समय से पूर्ण किया जाये। उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों से कहा कि अपने कार्यालय परिसर के अन्दर व बाहर साफ–सफाई रखें तथा कहीं पर भी जलभराव न होने दें। यदि परिसर के आस–पास झाड़ियों लगी हो तो उसकी भी साफ–सफाई समय–समय पर कराते रहें। उन्होंने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह की जानकारी करते हुये निर्देश दिये कि सामूहिक विवाह में अच्छी व्यवस्था की जाये तथा वृद्धावस्था पेंशन की स्थिति की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आधार प्रमाणीकरण का कार्य बैंकों से समन्वय स्थापित करते हुये जल्द से जल्द पूर्ण किया जाये ताकि लाभार्थियों के खातों में धनराशि ससमय पहुंच सके। इसके साथ ही उन्होंने विधवा पेंशन एवं दिव्यांगजन पेंशन की भी जानकारी ली। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की समीक्षा करते हुये उन्होंने संबंधित को निर्देश दिये कि हास्टलों में साफ–सफाई, पानी एवं लाईट व्यवस्था सुदृढ़ रखी जाये तथा कैन्टीन भी संचालित की जाये ताकि बच्चों को किसी प्रकार की कोई परेशान न हो। इसके साथ ही उन्होंने गन्ना विभाग, कौशल विकास, उद्योग विभाग, श्रम विभाग, सहकारिता विभाग आदि विभागों की समीक्षा करते हुये आवश्यक निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी अक्षत वर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 मधु गैरोला, जिला विकास अधिकारी हरिशचंद्र प्रजापति, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अजीत कुमार, डी0सी0 मनरेगा सुशील कुमार श्रीवास्तव, जिला समाज कल्याण अधिकारी हर्ष मवार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा जिला कार्यालय पर गुजरात जीत का जश्न

हरदोई।जिला कार्यालय पर पूर्व जिला अध्यक्ष, पीसीएफ डायरेक्टर तथा गुजरात विधानसभा चुनाव में राजकोट विधानसभा के प्रवासी राम बहादुर सिंह ने पदाधिकारियों का मुंह मीठा कराया।इस अवसर पर मौजूद जिला महामंत्री अजीत सिंह बब्बन ने कहा, गुजरात में लगातार सातवीं बार भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक एवं बंपर जीत ने विपक्ष का सफाया कर यह सिद्ध कर दिया है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गुजरात मॉडल विकास का मॉडल है।राम बहादुर सिंह ने कहा गुजरात तथा देश की जनता के दिलों में नरेंद्र मोदी बसते हैं। 2024 आम चुनाव का ट्रेलर आज दिखा है। भारतीय जनता पार्टी तथा नरेंद्र मोदी का कोई विकल्प नहीं है। इस अवसर पर जिला महामंत्री ओम वर्मा अनुराग मिश्रा,मंत्री अविनाश पांडे, जिला मीडिया प्रभारी गंगेश पाठक, भाजपा नेता मुकुल सिंह आशा, हर्षित मिश्रा सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।इसके साथ ही जिला अध्यक्ष सौरभ मिश्र नीरज, दोनों सांसदों,8 विधायकों सभी पूर्व जिला अध्यक्षों सहित तमाम वर्तमान तथा पूर्व पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त किया।

बिजली विभाग की लापरवाही तड़प तड़प कर मर गए गौवंश

हरदोई।जिले के सीएमओ दफ्तर से की जा रही बिजली चोरी के चलते 2 गोवंश ओं की करंट लगने से तड़प तड़प कर मौत हो गई इसका पता चलते ही खेल में शामिल बिजली महकमे के लोग दौड़कर पहुंचे और डाली गई खटिया उतार कर मामले को रफा–दफा कर दिया हालांकि इस बारे में कोई भी कुछ बोलने को तैयार नहीं है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लखनऊ रोड पर नया गांव मुबारकपुर में सीएमओ दफ्तर है उसी के बाहर सरकारी निर्माण कार्य चल रहा है वह सांठगांठ करते हुए समरसेबल से पानी लेने के लिए बिजली की कटिया डाली गई थी उसके पीछे खेत है जिसमें जानवरों से बचाव के लिए तार लगाए गए हैं रात को वहां डाली गई कटिया देर रात में लगे तारों से छू गई नतीजा उसमें करंट उतर आया करंट की चपेट में आने से गोवंश की मौत हुई इसी बीच वहां चल रहे 2 गोवंश करंट की चपेट में आ गए जिनकी वहीं पर तड़प–तड़प कर मौत हो गई सुबह जब इसका पता हुआ आनन–फानन में वहां पहुंचे बिजली कर्मियों ने वहां पड़ी खटिया उतारी और उसे अपने साथ ले गए लेकिन सवाल यह है कि उन पर जवानों ने इसका क्या बिगाड़ा था जो उन्हें ऐसी दर्दनाक मौत दी गई खबर लिखे जाने तक वहीं खेत के किनारे पड़े हुए थे फिलहाल इस बारे में कोई जिम्मेदार कुछ बोलने को तैयार नहीं है।

जीएसटी टीम की छापे की सूचना से दुकानों के शटर धड़ाधड़ गिरे

कछौना,हरदोई।कस्बा कछौना में जीएसटी टीम के आने की सूचना पर धड़ाधड़ दुकानों के शटर गिर गये। दुकानदार अपनी–अपनी दुकानों को बंद कर वहां से चलते बने। व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के बंद होने से ग्राहक परेशान हैं। पिछले कई दिनों से एसजीएसटी की टीम जिले में दुकानों पर छापेमारी कर रही है। इसी सिलसिले में .टीम के कछौना में आने की भनक मात्र पर ही कछौना कस्बे की लगभग सभी दुकानें आनन–फानन में बन्द हो गईं, जिससे ग्राहकों को मायूस होकर बिना खरीदारी किये ही वापस लौटना पड़ा।

एसडीएम ने नोटिस भेजकर मांगा स्पस्टीकरण

सिधौली (सीतापुर)। निकाय चुनाव में बी० एल०ओ० द्वारा काम न किए जाने को लेकर निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी उपजिलाधिकारी राखी वर्मा ने सहायक विकास अधिकारी पंचायत को नोटिस भेज के स्पस्टीकरण मांगा है। सतीष कुमार पंचायत सहायक अलादादपुर सुएश त्रिपाठी झंखरावां रंजना देवी अनवरपुर द्वारा बीएलओ पद पर कोई कार्य नहीं किया जा रहा है। जबकि बीएलओ पद का कार्य कराने हेतु उंक्त लोगों को बार–बार दूरभाष से अवगत कराया गया। इसके बावजूद भी अभी तक कार्य नहीं किया गया है। जिससे प्रतीत होता है कि निर्वाचन जैसे अति महत्वपूर्ण कार्य में लापरवाही एवं उच्च अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना के आदी हो चुके हैं। जिसको लेकर सहायक विकास अधिकारी पंचायत रामपाल वर्मा ने तीनों पंचायत सहायकों को नोटिस भेजकर दो दिवस में जवाब मांगा है। जवाब सन्तोष जनक ने होने पर आप पर कार्रवाई की जाएगी जिसकी जिम्मेदारी आप की है। सहायक विकास अधिकारी रामपाल वर्मा ने बताया निकाय चुनाव मे महत्वपूर्ण निर्वाचन कार्यों में लापरवाही बरतने को लेकर तीन पंचायत सहायकों को नोटिस भेजकर दो दिवस में जवाब दे, नहीं तो कार्रवाई की जाएगी।

एक वांछित वारण्टी गिरफ्तार

पहला (सीतापुर)। पुलिस अधीक्षक घुले सुशील चंद्रभान द्वारा जनपद में वांछित वारण्टी की नियमानुसार गिरफ्तारी एवम् अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं। उक्त निर्देश के क्रम में थाना सदरपुर पुलिस टीम द्वारा 01 वारंटी गिरफ्तारूथाना सदरपुर पुलिस टीम द्वारा वाद संख्या 289ध18 में वारण्टी अवधराम यादव पुत्र नत्था यादव निवासी मीरनगर थाना सदरपुर सीतापुर को गिरफ्तार कर न्याया0 के समक्ष पेश किया गया।

एन.डी.आर.एफ (राष्ट्रीय आपदा मोचन बल) और जिला आपदा प्राधिकरण ने किया संयुक्त मॉक ड्रिल का अभ्यास

गोंडा। को भूकंप आपदा पर आधारित संयुक्त अभ्यास एन.डी. आर.एफ. और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर **AIMS INTERNATIONAL SCHOOL** में मॉक ड्रिल का अभ्यास किया गया। एनडीआर एफ के 'कमांडेंट श्री मनोज शर्मा के कुशल दिशा निर्देशन में एनडीआरएफ समन्वयक व मुख्य एजेंसी के तौर पर रही इस कार्यशाला में तमाम विभाग के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस मेगा मॉक ड्रिल अभ्यास का संपूर्ण नेतृत्व एनडीआरएफ के उप कमांडेंट प्रेम कुमार पासवान के मार्गदर्शन में 'इंस्पेक्टर गोपी गुप्ता द्वारा संचालित किया गया। मॉक ड्रिल का उद्देश्य आपदाओं के दौरान राहत व बचाव कार्य की तैयारी जांचना एवं विभिन्न एजेंसियों के मध्य समन्वय स्थापित करना था।

AIMS INTERNATIONAL SCHOOL में सुबह 1210 बजे मॉक ड्रिल की शुरुआत हुई। 12 बजकर 10 मिनट पर अचानक स्कूलों की आपातकालीन घंटी बजी। छात्रों को भूकंप आने की सूचना दी गई। क्योंकि छात्र पहले से ही, प्रशिक्षित हैं कि भूकंप के दौरान क्या करना चाहिए इसलिए छात्र घबराए नहीं बल्कि सावधानी से डेस्क के नीचे सर ढंककर बैठ गए और डेस्क को कसकर पकड़ लिया। भूकंप थमने के बाद छात्र खुले स्थान पर इकट्ठा हुए जहां उनका हेड काउंट किया गया यह ड्रिल करीब 45 मिनट तक चलता रहा। तत्पश्चात इसकी सूचना एनडीआरएफ टीम को दी गई जो कि मौके पर इंस्पेक्टर गोपी गुप्ता के नेतृत्व में टीम घटना स्थल पर पहुंची और तुरंत ही बचाव और राहत कार्य शुरू कर दिया गया । इसी बीच सूचना मिलती है कि कुछ लोग बिल्डिंग के ऊपरी मंजिल में फंसे हुए हैं जहां पहुंचना बहुत ही मुश्किल था । परंतु एनडीआरएफ की रोप रेस्क्यू टीम के बचाव कर्ता रोप तकनीकों का इस्तेमाल कर बिल्डिंग के ऊपरी मंजिल पर पहुंचकर फंसे हुए लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला स एनडीआरएफ की टीम का यह कार्य देखते ही बन रहा था लोगों ने इसकी बहुत प्रशंसा की स इसी दौरान सूचना मिलती है कि बिल्डिंग के भूतल में भी कुछ लोग फंसे हैं। एनडीआरएफ की सीएसएसआर टीम के बचावकर्ता अत्याधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल करते हुए दीवार को काटकर पीड़ित तक पहुंचे, उनको फर्स्ट एड दिया और सुरक्षित बाहर निकाल कर अस्पताल के लिए रवाना किया। ड्रिल की समाप्ति के बाद **NDRF** समेत सभी एजेंसियों को उप जिलाधिकारी ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि मॉक ड्रिल श्सक्षमश ने दिखाया कि पूरी टीम वास्तव में आपदा का सामना करने में सक्षम है। यदि इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों को जागरूक किया जाए तो हम आपदा के दौरान काफी लोगों की जान बचा सकते हैं। साथ ही ऐसे आयोजन एन. डी.आर.एफ को बच्चों के समक्ष एक कैरियर विकल्प के रूप में प्रस्तुत करते हैं। कार्यक्रम के दौरान उप जिलाधिकारी सुरेश कुमार सोनी स्कूल के ओनर मतलूब हुसैन खान एवं प्रबंधक रीना मिश्रा शिक्षक सरेस खान ,अतुल कुमार ,एनडीआरफ के उप कमांडेंट प्रेम कुमार पासवान , इंस्पेक्टर गोपी गुप्ता ,इंस्पेक्टर सुधीर कुमार, एस आई राम दयाल एवं अन्य रेस्क्यूर उपस्थित रहे।

जीएसटी टीम आने की झूठी अफवाह से व्यापारियों में मचा हड़कंप

पाली,हरदोई।वस्तु एवं सेवा कर की टीम आने की झूठी अफवाह फैलते ही पाली नगर के व्यापारी अपने प्रतिष्ठान बंद खिसक लिए दुकानों को अचानक बंद होता देख ग्राहक असमंजस में पड़ गए।सुबह पाली नगर की बाजार खुलते ही जीएसटी टीम आने की भ्रामक झूठी अफवाह की भनक लगते ही हड़कंप मच गया एक दूसरे की देखा देखी मे व्यापारियों ने तड़ा तड़ा अपनी दुकानों के शटर गिराने शुरू कर दिए कुछ ही पलों में सप्ताहिक बंधी जैसा नजारा दिखाई देने लगा आपको बता दें कि पाली नगर में रविवार और बृहस्पतिवार को सप्ताह में दो दिन बाजार लगती है इन्हीं दिनों ग्रामीण अंचलों के हजारों लोग अपने गले को मंडी में बेचने के साथ ही बाजार में जरूरत का सामान खरीदने के लिए आते हैं बृहस्पतिवार वाले दिन सप्ताहिक बंदी जैसा नजारा देख बाजार से खरीदारी करने आए लोग असमंजस की स्थिति में पड़ गए करीब दो–तीन घंटे के बाद जानकारी मिली कि जीएसटी टीम आने की सूचना झूठी थी दुकानदारों ने डरते डरते अपनी दुकानें खोली तो खरीददारों की भीड़ लग गई थोड़ी देर के बाद जीएसटी टीम के भय से फिर दुकानें बंद हो गई कमोबेश यही लुकाछिपी का खेल पूरे दिन चलता रहा 'कैसे फैली झूठी अफवाह': 'दरअसल शाम को व्यापारियों के वकीलों ने फोन पर बताया कि बृहस्पतिवार को जीएसटी टीम पाली नगर पहुंच सकती है अपने दस्तावेज ठीक कर ले यह बात व्यापारियों ने शुवह एक दूसरे के शेयर कि फिर क्या था पूरे नगर में छा गया जीएसटी टीम का भूत'

विधायक व एमएलसी ने फीता काटकर वृहद गौ–संरक्षण केंद्र का किया शुभारंभ

कछौना,हरदोई।वर्तमान समय में छुट्टा जानवर किसानों व आम नागरिकों के लिए ज्वलंत समस्या है। सरकार छुट्टा गौवंशों के संरक्षण व संवर्धन के लिए सतत प्रयासरत है। जिसके चलते क्षेत्रीय विधायक रामपाल वर्मा के अथक प्रयास से बालामऊ गांव में वृहद गौ संरक्षण केंद्र स्वीकृत हुआ। जिसका उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक रामपाल वर्मा व विधान परिषद सदस्य अशोक अग्रवाल ने फीता काटकर किया। इस दौरान विधान परिषद सदस्य अशोक अग्रवाल ने किसानों को संबोधित करते हुए गौवंशों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। भारती संस्कृत में गौवंश हमेशा पूजनीय रहे हैं। गौवंशों के संरक्षण के कारण कई बीमारियों से निजात मिलती है। गोबर के उपयोग हम जैविक खेती कर रसायन के अंधाधुंध प्रयोग पर अंकुश लगा सकते हैं। रसायन के अंधाधुंध प्रयोग से जाने अनजाने में कई बीमारियों की गिरफ्त में आ रहे हैं। क्षेत्रीय विधायक रामपाल वर्मा ने कहा सरकार के प्रयास से आपकी ग्राम सभा में एक करोड़ तीस लाख रुपये के रुपये बजट की स्वीकृत से वृहद गौ–संरक्षण केंद्र निर्माण कर शुभारंभ किया जा रहा है। जिससे क्षेत्र के किसानों को गौवंशों की ज्वलंत समस्या से राहत मिलेगी। इस वृहद गौ संरक्षण केंद्र में बुनियादी सुविधाएं विद्युतीकरण, टीन शेड, पीने योग्य पानी के लिए व पशुओं को विचरण के लिए प्राकृतिक तालाब, अच्छी चन्नी आदि सुविधाएं मुहैया कराई गई। गौवंश अच्छे माहौल में रहे, काफी रमणीक स्थल है। इस गौशाला को आप सभी की भागीदारी से आदर्श गौशाला बनाना है। जिससे जिले में एक बेहतर मॉडल प्रस्तुत कर सकें। हरा चारा के लिए ग्रामसभा इसके प्रांगण में नैपियर घास का उत्पादन कराएं, जिससे गौवंश को चारा मिल सके। किसानों ने विधायक के समक्ष शिकायत की क्षेत्र पंचायत द्वारा वेरीकेटिंग का कार्य अच्छा नहीं किया गया। जिससे पशु आसानी से निकल जाते हैं। जिसपर विधायक ने खंड विकास अधिकारी को वेरीकेटिंग को सही कराने का निर्देश दिया। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने किसानों से अपील की अपने पालतू पशुओं को छुट्टा न छोड़े, ऐसा करना अपराध है, ऐसे किसानों को चिन्हित करके कानूनी कार्यवाही का प्रावधान है। पशुपालक सहभागिता का लाभ उठाते हुए पशुओं का पालन करें। जिसमें सरकार एक पशुपालक को चार गौवंशों को प्रतिदिन 30 रुपये प्रति पशु आर्थिक सहयोग का प्रावधान है। इस गौशाला का निर्माण लोक निर्माण विभाग बिलग्राम खंड कार्यदायी संस्था द्वारा कराया गया।इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी प्रमोद अग्रवाल, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि संचित अग्रवाल, जिला युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष अर्जित वर्मा, मंडल अध्यक्ष नवीन पटेल, ग्राम प्रधान आलोक कुमार वर्मा, पशु चिकित्सा अधिकारी कछौना डॉ० आशीष कुमार व उनकी टीम अशोक कुमार, हरिपाल सिंह, सुरेंद्र कुमार वर्मा, चंद्रभान, मुन्नीलाल ग्राम सचिवगण राजेश त्यागी, मन्नीलाल, पवन कुमार, उज्जवल यादव, संतोष कुमार, ज्ञान सिंह, भाजपा पदाधिकारी महामंत्री शिवम मिश्रा, शैलेंद्र दीक्षित, आनंद गुप्ता, पूर्व प्रधान कृष्णकांत सिंह, पूर्व प्रधान रामप्रकाश कठेरिया, पूर्व प्रधान विजय कुमार पुत्र मनोज कुमार सिंह, क्षेत्र पंचायत सदस्य पति व कोटेदार संघ अध्यक्ष सत्यम सिंह, क्षेत्र पंचायत सदस्य गौतम कनौजिया, राजकीय ठेकेदार निर्भय मिश्रा, ग्राम प्रधान बाण पति सिद्धपाल उर्फ सहित गणमान्य नागरिकों ने प्रतिभाग किया।

जिले में डेंगू का संभावित मरीज मिला

देवरिया। जनपद में डेंगू का प्रकोप थम नहीं रहा है। आए दिन मरीज मिल रहे हैं। डेंगू का एक संभावित मरीज मिला। मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जिला अस्पताल के डेंगू वार्ड में भर्ती कर उसका इलाज चल रहा है। जांच के लिए ब्लड का सैंपल भेजा गया है। इस समय अस्पताल में मात्र एक मरीज है। शहर के मोहल्लों के अलावा जिले के विभिन्न क्षेत्रों से मरीज डेंगू के मिल रहे हैं। दूसरे जनपद तथा प्रांत से आने वाले लोग भी पीड़ित मिल रहे हैं। . सदर विकास खंड के बरियारपुर थाना क्षेत्र के एक गांव का युवक शहर के भटवलिया मोहल्ले में किराए पर कमरा लेकर रहता है और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करता है। वह पांच दिन पहले बुखार से पीड़ित हो गया। उसके शरीर व सिर में दर्द भी हो रहा था। उसने मेडिकल स्टोर से दवा ली, लेकिन आराम नहीं मिला। उसके बाद अस्पताल के ओपीडी में चिकित्सक को दिखाया और दवा ली। तीन दिन दवा खाने के बाद भी जब राहत नहीं मिली तो निजी अस्पताल पहुंचा, जहां चिकित्सक ने जांच कराई। उसके बाद जिला अस्पताल भेज दिया। यहां इमरजेंसी में परीक्षण के बाद और लक्षण देखकर चिकित्सक ने डेंगू वार्ड में भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एचके मिश्रा ने बताया कि अस्पताल में डेंगू के मरीजों के इलाज के लिए अलग से व्यवस्था की गई है। दवा व जांच की निशुल्क सुविधा उपलब्ध है।

वाहन की चपेट से चिकित्सक घायल, रेफर

देवरिया। देवरिया–गोरखपुर मार्ग पर बैतालपुर के समीप अज्ञात वाहन की चपेट से स्कूटी सवार डॉ. आनंद बहादुर सिंह घायल हो गए। उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां हालत गंभीर देख चिकित्सक ने मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया। डॉ. आनंद बहादुर सिंह मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में तैनात हैं। वह स्कूटी से गोरखपुर से सुबह ड्यूटी पर आ रहे थे। अभी देवरिया–गोरखपुर मार्ग पर बैतालपुर के निकट पहुंचे थे कि पीछे से किसी वाहन ने चपेट में ले लिया। वह घायल हो गए। उन्होंने किसी तरह कार्यालय में सूचना दी। खबर मिलते ही सीएमओ डॉ. राजेश कुमार झा, अरबन के नोडल अधिकारी डॉ. आरपी यादव, एपिडेमियोलाजिस्ट राजीव भूषण पांडेय, रविजीत बहादुर सिंह मौके पर पहुंचे और उन्हें लेकर जिला अस्पताल के इमरजेंसी पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने रेफर कर दिया। डॉ. आनंद बहादुर के सिर, कंध व शरीर के अन्य हिस्से में चोटें आई हैं।

सीओ सिटी के खिलाफ कोर्ट से गैर जमानती वारंट जारी

देवरिया। दहेज हत्या के मामले में क्षेत्राधिकारी नगर श्रीयश त्रिपाठी के बतौर साक्षी न्यायालय में उपस्थित न होने पर एडीजे संजय सिंह की अदालत ने कड़ा रुख अख्तियार किया है। क्षेत्राधिकारी के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया गया है। इसके पूर्व उपस्थित होने के लिए जमानती वारंट जारी किया था। इसके बाद भी अदालत में उपस्थित न होने पर गैर जमानती वारंट जारी किया है। बताया जाता है कि दहेज हत्या के एक मामले में बतौर साक्षी के रूप में माह जुलाई में एडीजे की अदालत ने तलब किया था, लेकिन क्षेत्राधिकारी नगर न्यायालय में उपस्थित नहीं हुए। कोर्ट ने पिछली तारीख को जमानती वारंट जारी किया था। उसकी तिथि ही निर्धारित थी। निर्धारित तिथि पर भी क्षेत्राधिकारी न्यायालय में उपस्थित नहीं हुए। इसको गंभीरता से लेते हुए अपर जिला जज फास्ट ट्रैक न्यायालय संजय सिंह की अदालत ने देवरिया सदर के क्षेत्राधिकारी श्रीयश त्रिपाठी के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी करते हुए विभागीय कार्रवाई के लिए एसपी देवरिया को पत्र भी भेजा है।

अश्लील गाने का वीडियो वायरल, प्रधानाध्यापक को नोटिस

महराजगंज। महराजगंज जिले के लक्ष्मीपुर ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम पंचायत सोंधी में कम्पोजिट विद्यालय में गांव के व्यक्ति द्वारा आर्केस्ट्रा की नर्तकी की ओर से अश्लील गानों पर नृत्य का वीडियो वायरल हुआ है। वीडियो वायरल होने के बाद खंड शिक्षा अधिकारी ने प्रधानाध्यापक को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। शासन की ओर से यह निर्देश है कि शादी–विवाह या किसी भी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय या परिसर में नहीं होना है। नियम कानून को धता बता यह कार्यक्रम बीते दिनों विद्यालय में आयोजित किया गया, जहां दर्शकों ने आर्केस्टा की नर्तकियों की ओर से अश्लील गाने पर किए गए नृत्य का आनंद उठाया। इसका वीडियो वायरल होने के बाद शिक्षा विभाग सकते में आ गया है। प्रधानाध्यापक को नोटिस जारी करते हुए स्पष्टीकरण मांगा गया है। प्रधानाध्यापक लालचन्द गुप्ता ने बताया कि जिस दिन विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित हुआ था वह अवकाश पर थे। चाबी गांव के रसोइयों के पास था। खंड शिक्षा अधिकारी अगनित कुमार ने बताया कि किसी भी आयोजन के लिए विद्यालय व परिसर में रोक है। आयोजन पर संबंधित प्रधानाध्यापक के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। उच्चाधिकारियों को भी अवगत करा दिया गया है।

टेंपो की चपेट से बाइक सवार दो युवकों की मौत

पथरदेवा (देवरिया)। तरकुलवा थानाक्षेत्र के कंचनपुर–पथरदेवा मार्ग पर गोपालपुर गांव के पास सुबह टेंपो की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार दो युवक और टेंपो चालक घायल हो गए। बाइक सवार दोनों युवकों की मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गई। घायल टेंपो चालक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कुशीनगर जनपद के पटहेरवा थानाक्षेत्र के जौराबाजार के टोला मन राखन निवासी प्रिंस सिंह (22) तरकुलवा थानाक्षेत्र के पथरदेवा निवासी रितिक सिंह (24) के साथ मोटरसाइकिल से जिला मुख्यालय इलाज कराने जा रहे थे। अभी वे तरकुलवा थानाक्षेत्र के कंचनपुर–पथरदेवा मार्ग पर गोपालपुर के सामने पहुंचे। सवारी लेकर पथरदेवा जा रहे टेंपो की चपेट में बाइक आ गई। बाइक चालक प्रिंस सिंह को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया, जहां डाक्टर ने उनको मृत घोषित कर दिया। बाइक पर पीछे बैठे रितिक सिंह की हालत गंभीर देख डॉक्टर ने उन्हें गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। वहां इलाज के दौरान रितिक की भी मौत हो गई। टेंपो चालक व पथरदेवा निवासी छोटेलाल का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसे के बाद मौके पर भारी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित हो गए। उसके चलते सड़क पर घंटों आवागमन बाधित रहा।

एस बी टी विद्यालय में यातायात जागरूकता का बच्चों को दिलाया गया शपथ

दुर्घटना से बचने के लिए यातायात नियमों की जानकारी है जरुरी-चेयरमैन एम एन त्रिपाठी

दैनिक बुद्ध का संदेश

गौरी बाजार/देवरिया। गौरी बाजार क्षेत्र के बिशनपुरा बखरा में स्थित एस बी टी पब्लिक स्कूल में यातायात जागरूकता के तहत बच्चों को सड़क पर चलने के नियमों से संबंधित बातों का शपथ दिलाया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के चेयरमैन एम एन त्रिपाठी ने बच्चों को सड़क पर चलने से संबंधित कुछ जरुरी नियमों के प्रति बच्चों को शपथ दिलाते हुए उन्हें जागरूक किया कि वे खुद इन नियमों का पालन करें तथा अपने आस पास के लोगों व घर वालों को भी बताएं। उन्होंने कहा कि हमें हर हाल में सड़क के नियमों का पालन करना चाहिए। जैसे दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट तथा चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट अवश्य लगाएं। शराब पीकर गाड़ी न चलाएं। गौरी सड़क पर दुर्घटनाग्रस्त लोगों की सहायता करें। एंबुलेंस व फायर ब्रिगेड गाड़ियों को रास्ता दें। सड़क के बायीं ओर चलें। यदि सड़क पर कोई दुर्घटना हो जाए तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। बच्चों ने भी इन बातों को बड़े ध्यान से सुना तथा इन नियमों के पालन करने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य दिवाकर पाण्डेय, उप प्रधानाचार्य एस पी बिंद, मुख्य समन्वयक अंबरीश त्रिपाठी, प्रशासक अबू दानिश व शिक्षकगण तथा सभी शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

मानव तस्करी रोकने के लिए कार्यशाला का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को बाल संरक्षण व मानव तस्करी रोकने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन रेलवे व प्लान इंडिया द्वारा किया गया।इस कार्यशाला की अध्यक्षता स्टेशन अधीक्षक डी के उपाध्याय के द्वारा की गई। इस दौरान प्रोजेक्टर के माध्यम से मानव तस्करी व बाल शोषण के विषय पर लघु फिल्म दिखाई गयी। मूवी के बाद में उपस्थित सदस्यों सें स्टेशन पर होने वाले सभी तरह के शोषण के बारे में बात किया गया। प्लान इंडिया के समन्वयक प्रसून शुक्ला ने रेलवे बोर्ड व राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के द्वारा रेलवे के संपर्क में बच्चों की देखभाल और संरक्षण सुनिश्चित करने के लिये रेलवे की यह मानक परिचालन प्रक्रिया के बारे में सभी को बताया। स्टेशन परिसर में बच्चो को सुरक्षा प्रदान करना बाल सहायता समूह की जिम्मेदारी है। इस प्रयास के तहत रेलवे के संपर्क में आने वाले यात्रियों के रूप में बच्चे, तस्करी कर लाए गए बच्चे तथा अपने परिवार से जुदा हुए बच्चों को संरक्षण के लिये बेहतर सुविधा प्रदान की जाये। इसके साथ रेलवे बोर्ड द्वारा जारी मानव तस्करी रोकने जारी सुरक्षा प्रपत्र पर भी चर्चा करके इन मुद्दों को हल करने के लिए यह सुनिश्चित किया गया कि सभी हितधारकों, यात्रियों, विक्रेताओं, कुलियों को संवेदनशील बनाने की आवश्यकता है। चाइल्डलाइन के समन्वयक ने साझा किया कि बच्चो को संरक्षण प्रदान करने के लिए निरंतर संचार होता रहना चाहिए। बाल कल्याण समिति के द्वारा बताया गया कि बाल तस्करी रोकने के लिए समुदाय के साथ भी समन्वय की जरुरत है, इसके साथ किशोर न्याय अधिनियम 2015 का पालन भी करे। आरपीएफ एएचटीयू प्रभारी ने मानव तस्करी रोकने के लिए निरंतर जागरूकता की आवश्यकता है। इसके बाद एक कार्ययोजना भी बनाई गयी, जिसके तहत स्टेशन पर बाल सहायता समूह का गठन, हेल्पलाइन नम्बर के लिए एनाउंसमेंट, पोस्टर जागरूकता व ट्रेन चेकिंग गतिविधिया की योजना बनाई गयी। इस कार्यशाला में स्टेशन अधीक्षक डी के उपाध्याय, सशत्र सीमा बल 43 बटालियन से उपनिरीक्षक देशराज, बाल कल्याण समिति सदस्य बीरेंद्र मिश्रा, बाल संरक्षण अधिकारी विवेक मालवीय, आरपीएफ एएचटीयू प्रभारी सोनू कुमार, जीआरपी उपनिरीक्षक सिद्धार्थनगर आजम अंसारी, रेलवे के अन्य अधिकारी व प्लान इंडिया से प्रसून कुमार, हरिकेश दुबे व रूपा उमर उपस्थित रहे।

चार दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। रूचार दिवसीय विद्यालय स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत विद्यालय राम भीख राजरानी शिक्षण संस्थान इंटर कॉलेज मलूकपुर गदिया बाराबंकी में विभिन्न खेलों के फाइनल मैच खेले गए प्रथम मैच कबड्डी बालक वर्ग सीनियर में राम भीख राजरानी शिक्षण संस्थान व वारसी इंटर कॉलेज देवा के बीच खेला गया जिसमें दोनों टीमों ने जबरदस्त खेल भावना का परिचय देते हुए अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया तथा वारसी इंटर कॉलेज देवा ने 55–45 के अंतर से फाइनल मुकाबला जीता दिन का दूसरा मैच दौड़ प्रतियोगिता का फाइनल हुआ जिसमें राम भीख राजरानी इंटर कॉलेज शिक्षण संस्थान के बच्चे व वारसी इंटर कॉलेज के बच्चे व न्यू विकास शिक्षण संस्थान के बच्चों ने बाजी मारी। छोटे बच्चों के कई कार्यक्रम आयोजित हुए सबसे पहले नर्सरी से कक्षा 2 तथा कक्षा 3 से कक्षा 5 तक छात्र छात्राओं ने सहभागिता दिखाई! बोरा दौड़ में बच्चों ने बोरा पहनकर दौड़ लगाई इसके साथ ही साथ चम्मच नींबू दौड़ व जलेबी दौड़ में भी कई बच्चे शामिल हुए। बोरा दौड़ में सोमेश कक्षा 5,लक्ष्मी कक्षा 3 ने प्रथम द्वितीय स्थान प्राप्त किया! जलेबी दौड़ में हर्षित अनन्या एवं अनुभव ने प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया! जबकि चम्मच नींबू दौड़ में सोमेश आयुष ने प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त किया आज ही सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया बालक एवं बालिका वर्ग दोनों में विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने सहभागिता की। समस्त विद्यालय स्तरीय खेलकूद विद्यालय के प्रबंधक हनोमान प्रसाद, प्रधानाचार्य अमित श्रीवास्तव, संचालक डॉ वीर बहादुर, खेल शिक्षक राहुल, अनुज, गुड़ियारानी, लक्ष्मी, शीलू, निधि, अमृता, अपूर्वा, उदय सिंह पटेल आदि की देखरेख में संपन्न हुए।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में 110 जोड़े एक दूसरे के हुये

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। छावनी के रामरेखा आश्रम पर शुक्रवार को मुख्यमंत्री सामूहिक

विवाह का आयोजन किया गया जिसमें कुल 110 जोड़े एक दूजे के हुये जिसमें विक्रमजोत ब्लॉक से 26, परशुरामपुर ब्लाक से 23 हरैया ब्लॉक से 27, दुबौलिया ब्लाक से 31 तथा नगर पंचायत हरैया से 3 जोड़े का विवाह सम्पन्न हुआ मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक अजय सिंह द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचकर शुभारंभ किया गया वैदिक मंत्रों के साथ पुरोहितो के द्वारा 106 हिंदू जोड़ें का विवाह पूजन के साथ संपन्न कराया गया तथा 4 जोड़ी मुस्लिम समाज के जोड़े का हाफिज शाहिद अली तथा जेई फारूक अहमद की मौजूदगी में निकाह कुबूल कराया गया इस मौके पर सीडीओ बस्ती राजेश प्रजापति,जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, समाज कल्याण अधिकारी प्रकाश पांडेय, वीडीओ विक्रमजोत सुनील कौशल, बीडीओ हर्रैया आलोक उपाध्याय, परशुरामपुर डॉ राजमंगल चौधरी, दुबौलिया एस पी सिंह, एडीओ समाज कल्याण सत्येंद्र यादव ब्लॉक प्रमुख विक्रमजोत केके सिंह, रामरेखा मंदिर के महंत दयाशंकर दास मौजूद रहे 110 विवाहित जोड़ो को विधायक अजय सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी तथा सीडीओ राजेश प्रजापति ने उपहार में पायल, बिछिया, साही कपड़ा, बर्तन तथा 35 हजार रूपये खाते में भेंट किया। तथा कार्यक्रम के अन्त में 110 जोड़े समेत सभी लोगो को विधायक अजय सिंह ने यातायात सड़क सुरक्षा की सपथ दिलाया इस दौरान थानाध्यक्ष दुगैश पाण्डेय, वी० पी० सिंह सहित अनेक मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा को लेकर प्रधानाचार्य ने दिलाई शपथ

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला/गोरखपुर। गोला क्षेत्र के जनता इण्टर कालेज दुबौली के प्रधानाचार्य डा निर्भय कुमार द्विवेदी ने सभी छात्र छात्राओं को सड़क पर वाहन चलते समय सावधानी बरतने और सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई। जनता

इण्टर कालेज दुबौली पर सुबह प्रार्थना सभा पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डा निर्भय कुमार द्विवेदी ने समस्त छात्र छात्राओं को सड़क सुरक्षा और वाहन चलते समय सावधानी बरतने की सपथ दिलाते हुए कहा कि हम सपथ लेते हैं कि हम सड़क पर बाहन चलाने से पहले सभी सुरक्षा सम्बंधी बातों का पालन करुंगा।, यातायात नियमों का खुद व अपने परिजनों से पालन करवाऊंगा। दो पहिया बाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट पहनूँगा। चार पहिया बाहन चलते समय सिट बेल्ट लगाऊंगा। बाहन चलाते समय कभी मोबाइल पर बात नही करुंगा। हम बाहन चलते समय हमेशा एम्बुलेंस और फायरब्रिगेड की गाड़ी को पहले रास्ता दूंगा। सड़क दुर्घटना में पिड़ित की मदत के लिए हमेंशा तत्पर रहूंगा। यहां पर सुर्य पाल सिंह (नायक एनसीसी) बैरिस्टर सिंह, सुरेश राम त्रिपाठी, रामसेवक, अब्दुल करीम पुष्पा देवी, स्वाति सिंह, कंचन राय सहित समस्त शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित हो सपथ ली।

नवोदय विद्यालय के पूर्व छात्रों का सम्मेलन कल

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। जवाहर नवोदय विद्यालय के पुरातन छात्रों का सम्मेलन 11 दिसम्बर को सुबह नौ बजे से जवाहर नवोदय विद्यालय पीपीगंज में होगा। इसमें गोरखपुर तथा आसपास जिले के नवोदय विद्यालय के पुरातन छात्र शामिल होंगे। यह जानकारी देते हुए आत्मनिर्भर नवोदयन समिति के संयोजक ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य पूर्व छात्रों के साथ मिलकर आत्मनिर्भर नवोदयन को और मजबूत बनाना है जिससे सभी नवोदयन छात्र दूसरों को आत्मनिर्भर बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। आत्मनिर्भर नवोदयन समिति पुरातन छात्र सम्मेलन के जरिए पुरातन छात्रों को एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराता है जहां वह एक दूसरे से अपने विचारों को साझा कर सकते हैं।

विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन आज

गोरखपुर। तीसरी आंख मानवाधिकार संगठन द्वारा 10 दिसंबर विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर जिला अधिवक्ता बार एसोसिएशन सभागार कलेक्ट्रेट कचहरी गोरखपुर में आज दिनांक 10 दिसंबर 2022 दिन शनिवार को समय दोपहर 12:30 बजे दिन में मानवाधिकार की वर्तमान स्थिति एवं समस्याओं के समाधान पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया है। जिसमें शहर के तमाम वर्गों से प्रबुद्ध व सामाजिक कार्यकर्ता एवं राजनैतिक व गैर रानैतिक कार्यकर्ता अपने विचार व्यक्त करेंगे उक्त कार्यक्रम के माध्यम से संगठन द्वारा मानव अधिकारों की राष्ट्रीय, अंतर राष्ट्रीय परिकल्पना को व्यवहारिक धरातल पर साकार करते हुए जन सामान्य को जागरूक करने का एक सफल प्रयास किया जाएगा उपरोक्त जानकारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रमाकांत पांडे उर्फ राजू ने दिया।

6 अध्यक्ष, 4 महामंत्री व 2 कोषाध्यक्ष समेत 32 प्रत्याशियों ने किया नामांकन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज कचहरी परिसर स्थित सोनभद्र बार एसोसिएशन के सभागार में वृहस्पतिवार को दूसरे एवं अंतिम दिन तक विभिन्न पदों के लिए कुल 32 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। जिसमें सर्वाधिक 6 प्रत्याशी अध्यक्ष पद के लिए, 4 प्रत्याशी महामंत्री व 2 प्रत्याशी कोषाध्यक्ष पद के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया है। उम्मीद है कि इन्ही पदों पर ही चुनाव कराया जाएगा, क्योंकि अन्य पदों पर अकेले प्रत्याशी होने की वजह से लगभग उनका निर्विरोध निर्वाचन होना तय माना जा रहा है। मुख्य चुनाव अधिकारी एडवोकेट सुरेश सिंह ने बताया कि सोनभद्र बार एसोसिएशन चुनाव वर्ष 202223 के लिए अंतिम दिन तक अध्यक्ष पद के लिए 6 प्रत्याशियों

पूनम सिंह, नरेंद्र कुमार पाठक, मनोज कुमार पांडेय, विजय कृष्ण वर्मा, उमेश मिश्रा व हेमनाथ द्विवेदी ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। वहीं महामंत्री के लिए 4 प्रत्याशियों आनन्द कुमार मिश्र, शारदा प्रसाद मौर्या, अरुण कुमार सिंघल व राजीव कुमार सिंह गौतम, कोषाध्यक्ष पद के लिए 2 प्रत्याशियों मनोज कुमार मिश्र व भानु प्रताप चौहान ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है।वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद हेतु सिर्फ संजय कुमार पांडेय ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। जबकि इस पद पर पर्चा लेने के बावजूद भी पवन कुमार शर्मा एडवोकेट ने नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया। उपाध्यक्ष 10 वर्ष से ऊपर तेजमणि पाण्डेय एवं दीपक केसरी, उपाध्यक्ष 10 वर्ष नीचे के लिए गिरजा शंकर दुबे ,प्रदीप पाण्डेय ने किया। संयुक्त मंत्री प्रशासन गीता गौर, संयुक्त मंत्री प्रकाशन शादाब आलम ,संयुक्त मंत्री पुस्तकालय रितेश कुमार मिश्र ने नामांकन पत्र दाखिल किया।

वही कार्यकारिणी सदस्य 15 वर्ष से ऊपर के लिए सुनील कुमार, गोविंद प्रसाद मिश्र, दिनेश धर दुबे, सुशील कुमार चौबे ,मानिंद त्रिपाठी एवं महेंद्र प्रताप सिंह तथा कार्यकारिणी सदस्य 15 वर्ष से नीचे के लिए कपिल कुमार, अखिलेश कुमार मिश्र, रमाशंकर चौधरी, आशुतोष पाठक, अखिलेश कुमार मिश्र एवं संजय कुमार पाण्डेय ने नामांकन पत्र दाखिल किया। इस प्रकार कुल मिलाकर के 32 सदस्यों ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी सुरेश सिंह ने बताया कि शुक्रवार को नामांकन पत्र की जांच एवं वैध प्रत्याशियों की सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

- 9 दिसंबर को होगी पर्चे की जांच, वैध प्रत्याशियों के सूची का होगा प्रकाशन
- 17 दिसंबर को टेंडर वोटिंग, 22 को मतदान व 23 दिसंबर को होगी गणना

मुख्यमंत्री आवास योजना का मंत्री ने भूमि पूजन कर किया शुभारम्भ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री संजीव गौंड़ सत्पनीक ब्लाक प्रमुख चोपन लीला देवी, जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह,

मुख्य विकास अधिकारी सौरभ गंगवार ने मुख्यमंत्री आवास योजना हेतु भूमि पूजन आवास योजना का शुभारंभ ब्लाक चोपन के ग्राम बिल्ली–मारकुण्डी में किया, इस दौरान मंत्री, जिलाधिकारी व ब्लाक प्रमुख, मुख्य विकास अधिकारी ने फावड़े से नींव खोदकर आवास बनाने के कार्य का शुभारंभ किया।इस दौरान मंत्री ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रदेश सरकार समाज के वंचित, गरीब व असहाय लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना व मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत पक्की छत उपलब्ध करा रही है, इसी क्रम में आज मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को संयुक्त रूप से 40 आवास की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु भूमि पूजन का कार्य किया गया, इससे समाज के गरीब, वंचित परिवारों के जीवन स्तर में सुधार आयेगा और वह प्रगति के पथ पर अग्रसर होंगें। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत आवास प्राप्त करने वाले लाभार्थियों को दो–दो गाय भी उपलब्ध करायी जाये, आवास में रहने के दौरान इन लोगों द्वारा गौ सेवा का पुनीत कार्य भी किया जाये, इस दौरान उन्होंने कहा कि आवास योजना के अन्तर्गत आवासों के निर्माण का कार्य निर्धारित समय में पूर्ण किया जाये, जिससे कि आवास योजना के लाभार्थी शीघ्र ही अपने मकान में निवास करने की सुविधा प्राप्त कर सके। मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को मुख्यमंत्री आवास का स्वीकृति प्रमाण–पत्र भी मंत्री, के साथ जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी व ब्लाक प्रमुख चोपन द्वारा वितरित किया गया। इस मौके पर परियोजना निदेशक आर0 एस0 मौर्या, खण्ड विकास अधिकारी चोपन मनीष मिश्रा, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, तहसीलदार ओबरा, अधिशसी अधिकारी नगर पंचायत ओबरा सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थिति रहे।

सेवा निवृत्त कर्मचारीयो की नियुक्ति के लिये आवेदन 22 तक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उच्च न्यायालय इलाहाबाद के सी०एल० संख्या–14ध्एडमिन 15–10–2022 के अनुपालन में जनपद न्यायालय, सिद्धार्थनगर में निम्न रिक्त पदों पर जनपद न्यायालय से सेवा निवृत्त कर्मचारीगण की नियुक्ति हेतु निर्धारित प्रारूप पर आवेदन पत्र दिनांक 22–12–2022 की सायं 05–00 बजे तक आमन्त्रित किया गया हैं। निर्धारित समय के पश्चात प्राप्त हुए आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। रिक्त पदों में आशुलिपिक ग्रेड–1 के 02 पद, आशुलिपिक ग्रेड–3 के 08 पद, वरिष्ठ सहायक के 37 पद, कनिष्ठ सहायक के 17 पद रिक्त हैं। उक्त पदों का वेतनमान सम्बन्धित पद पर आवेदक को मिलने वाले अन्तिम आहरित वेतन, जिसमें से पेंशन की राशि काटकर मानदेय के रूप में देय होगा। अन्य भत्ते उत्तर प्रदेश शासन के यथासंशोधित आदेशों के अधीन प्रदान किये जायेंगे। उक्त पदों पर चयनित कर्मचारीगण का कार्यकाल कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से 01 वर्ष या उस पद पर सीधी भर्ती या पदोन्नति द्वारा भरे जाने अथवा 65 वर्ष आयु पूर्ण होने में से जो भी पहले हो, तक के लिये होगा। चयनित कर्मचारीगण की नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी होगी जो सन्तोषजनक सेवा न पाये जाने की स्थिति में बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त की जा सकती है। आवेदक की विगत पूर्व 5 वर्षो की चरित्र पंजिका सही हो। आवेदक का पूर्ववर्ती आचरण (चेंज तमबवतक) व ए०सी०आर० उसकी नियुक्ति का आधार होगा। आवेदक पर कोई आपराधिक मुकदमा लम्बित एवं पंजीकृत न हो। उक्त पदों पर पुनर्नियुक्ति हेतु निर्धारित प्रारूप पर आवेदक अपना आवेदन–पत्र, आयु प्रमाण–पत्र एवं स्वस्थता प्रमाण–पत्र के साथ दिनॉक 22–12–2022 को शाम 5–00 बजे तक प्रशासनिक अधिकारी के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। पुनर्नियुक्ति हेतु साक्षात्कार की प्रक्रिया अपनायी जायेगी। साक्षात्कार की तिथि बाद में घोषित की जायेगी। साक्षात्कार हेतु उपस्थित अभ्यर्थियों को किसी प्रकार का यात्रा – भत्ता देय नहीं होगा। प्रशासनिक अधिकारी, जनपद न्यायालय सिद्धार्थनगर के कार्यालय से आवेदन पत्र का प्रारूप एवं अन्य जानकारी प्राप्त की जा सकती है। उक्त आशय की जानकारी अध्यक्ष, चयन समिति, जनपद न्यायालय सिद्धार्थनगर ने अपने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दिया है।

बाल श्रम उन्मूलन को लेकर जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने की बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। बाल श्रम टास्क फोर्स एवं बाल श्रम उन्मूलन जनपद समिति की बैठक जिलाधिकारी अविनाश कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी कार्यालय में आहूत की गई। बैठक के दौरान बाल श्रम सर्वेक्षण की स्थिति, बाल श्रम उन्मूलन एवं अन्य संचालित योजनाओं की स्थिति, अटल आवासीय विद्यालय, बाल श्रम विद्या योजना, नया सवेरा योजना, राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजना (एनसीएलपी) सहित अन्य बिंदुओं

पर समीक्षा की। सहायक श्रमायुक्त ने बताया कि नया सवेरा सर्वेक्षण द्वारा ऐसे कामकाजी पात्र बालक श्रमिकधकिशोर श्रमिक का चिन्हांकन किया गया है। ऐसे बच्चे जिनकी आयु 08 से 18 वर्ष के मध्य है, जिनके माता–पिता न हो, माता–पिताध्माता या पिता विशेष दक्षता वाले हो या पिता किसी असाध्य बीमारी से ग्रसित हो की जांच विभागीय स्तर पर कर पात्र लाभार्थियों का चयन किया गया है, जिसमें जनपद बाराबंकी से 80 पात्रों को योजना का लाभ दिया गया है। अटल आवासीय विद्यालय योजना के अन्तर्गत बीओसीडब्लू बोर्ड के अन्तर्गत पंजीकरण निर्माण श्रमिक को एवं कोविड–19 में अनाथ हुए बच्चों को निःशुल्क आवासीय शिक्षा दिया जा रहा है। इसके तहत शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए अन्य विभागों के सहयोग से जोड़े गये परिवारों की संख्या 112 हॉटस्पाट क्षेत्र में बाल श्रमिकों के अतिरिक्त परिवारों के सदस्यों को बीओसीडब्लू में 896 पंजीकरण कराया जा चुका है। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि खतरनाक प्रक्रियाओं में चिन्हित बाल एवं किशोर श्रमिकों के आयु व स्वास्थ्य परीक्षण 24 घण्टे के भीतर कर लिया जाये। बाल श्रम चिन्हांकन के उपरान्त जिन बच्चों के प्रवेश हेतु सूची बेसिक शिक्षा अधिकारी को उपलब्ध करायी जाती है, उस सूची में बच्चों को विद्यालय में प्रवेश के उपरान्त सम्बन्धित बेसिक शिक्षा अधिकारी, प्रवेशित कराये गये बच्चों का विद्यालय व कक्षा की जानकारी श्रम विभाग को अवश्य उपलब्ध करा दे। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि तहसील स्तर पर गठित टीमों को सक्रिय कर अभियान चलाकर समय–समय पर बाल श्रम के अंतर्गत रेस्क्यू ऑपरेशन भी किया जाये, जिससे बाल श्रम को रोका जा सके। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती एकता सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0अवधेश यादव, सहायक श्रम आयुक्त मयंक सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी डॉ पल्लवी सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी एस0 के0 सिंह, अपर जिला सूचना अधिकारी सहित संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस लाइन में परेड का निरीक्षण कर, दिया दिशा–निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह द्वारा

पुलिस लाइन चुर्क में शुक्रवार परेड की सलामी ली गई तत्पश्चात परेड का निरीक्षण किया गया। इस दौरान परेड में सम्मिलित पुलिसकर्मियों के टर्नआउट को बारीकी चेक करते हुए सभी अधिकारीध्कर्मचारीगणों को ड्यूटी के दौरान उच्च कोटि की वर्दी पहनने व जनता से मधुर व्यवहार स्थापित करने के लिए निर्देशित किया गया। निरीक्षण के पश्चात कर्मियों को शारीरिक रूप से फिट रहने हेतु दौड़ लगवाई गई। निरीक्षण के क्रम में यू0पी0–112 वाहनों की गहनता से चेकिंग की गयी तथा पीआरवी पर तैनात पुलिस कर्मियों से वाहनों में उपलब्ध दंगा नियंत्रणध्सुरक्षा उपकरणों के सम्बंध में जानकारी लेते हुए उनकी चेकिंग की गयी तथा पीआरवी कर्मियों को अपने कर्तव्य के बारे में सजग रहने के लिए निर्देशित किया गया। इस दौरान पुलिस लाइन में बेहतर साफ–सफाई हेतु प्रतिसार निरीक्षक को निर्देशित किया गया। इस मौके पर प्रतिसार निरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण मौजूद रहे।

ब्लॉक कॉर्डिनेटर आभा पटेल ने किया शाहगंज गांव का भ्रमण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। एमआर कार्यक्रम के अंतर्गत टीकाकरण से वंचित

छूटे हुए बच्चे ड्यूलिस्ट के अनुसार हेड काउंटिंग सर्वे करते हुए ब्लॉक को ऑर्डिनेटर आभा पटेल ने आशा संगनी रुकसाना बेगम, आशा गीता मिश्रा के साथ किया शाहगंज गांव का भ्रमण। सर्वे के मुताबिक ड्यू में छूटे हुए बच्चों का टीकाकरण किया जा सके। साथ ही 0 से 5 वर्ष के बच्चों का भी हेड काउंटिंग सर्वे, ई कवच पोर्टल पर सभी आशाओं द्वारा नियमित रूप से बी एच आई आर का कार्य किया जा सके। इस कार्यक्रम के तहत नवजात शिशुओं, गर्भवती महिलाओं के घरों जाकर नवजात शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य सम्बंधित गुर सिखाए, तथा ठण्ड मौसम से बचाने के लिए उपाय बतायी। जिससे बच्चा नीरोग रह सके। आशाओं की डायरी मेंटेनेंस की बात सिखाई।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

ऑनलाइन पी.एफ.एम. एस. पर आधार नंबर लिंक करना अनिवार्य

एच.पी.शर्मा / दैनिक बुद्ध का संदेश

गौतम बुद्धनगर। जिला प्रोबेशन अधिकारी गौतम बुद्ध नगर अतुल कुमार सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि निराश्रित विधवा महिला पेंशन प्राप्त कर रही महिलाओं की पेंशन धनराशि ऑनलाइन पी0 एफ0 एम0 एस0 के माध्यम से उनके बैंक खातों में सीधे प्रेषित की जाती है। उन्होंने बताया कि अब ऑनलाइन पी.एफ.एम.एस. पर आधार नंबर लिंक करना अनिवार्य कर दिया गया है। अतः निराश्रित विधवा महिला पेंशन प्राप्त कर रही महिलाएं अपना आधार नंबर व मोबाइल नंबर अपने निकटतम जन सेवा केंद्र, साइबर कैफे में जाकर पी.एफ.एम.एस. पर अपना आधार नंबर अवश्य लिंक करा लें। उन्होंने बताया यदि किसी को भी कोई असुविधा होती है तो वह बैंक की पासबुक, आधार कार्ड की कॉपी व मोबाइल नंबर जिला प्रोबेशन कार्यालय प्रथम तल पुराना कोर्ट फेस टू नोएडा में जमा अवश्य करा दें। अन्यथा की स्थिति में उनकी पेंशन जनवरी 2023 में बंद हो जाएगी।

आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिलने की खुशी में मनाया गया जश्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। गुजरात विधानसभा चुनाव में के बाद अब आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिला इसी खुशी में बाराबंकी में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया बाराबंकी में धनोखर पर स्थित पार्टी कार्यालय पर शुक्रवार को बड़ी संख्या में जुटे कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाई और ढोल नगाड़े पर खूब झूमे अध्यक्ष धर्मवीर सिंह ने कहा आज पार्टी के लिए बहुत ही खुशी का दिन है महज 10 वर्षों में पार्टी ने 2 राज्यों में सरकार बनाई और अब उसे राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिला है!आम आदमी पार्टी जिन्दाबाद, केजरीवाल केजरीवाल के नारे कार्यकर्ता लगातार लगा रहे थे दरअसल किसी भी दल को चार राज्यों में कुल मतदान का 6 परसेंट वोट मिलने पर उसे राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिल जाता है दिल्ली व पंजाब में पार्टी की सरकार है और गोवा में दो विधायक है गुजरात में करीब 13 परसेंट मत मिले हैं जिला अध्यक्ष ने कहा अब पूरे देश में शिक्षा और स्वास्थ्य को मुद्दा बनाया जाएगा। इस मौके पर जुगराज सिंह नफील खान, प्रणीत मौर्या, मुकेश, पंकज वर्मा, प्रदीप सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।
राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

नारियल पानी का अधिक सेवन स्वास्थ्य के लिए बन सकता है मुसीबत

नारियल पानी के सेवन से मिलने वाले अनगिनत स्वास्थ्य लाभों के कारण इसे जादुई पेय या प्रकृति का पेय भी कहा जाता है। हालांकि, इसके कुछ नुकसान आपको इसके सेवन पर पुनर्विचार करने पर मजबूर कर सकते हैं। नारियल पानी के अधिक सेवन से ब्लड प्रेशर प्रभावित होने और इलेक्ट्रोलाइट असंतुलित होने सहित कई तरह के नुकसान पहुंच सकते हैं। आइए जानते हैं कि नारियल पानी के अधिक सेवन से क्या–क्या समस्याएं हो सकती हैं।

मधुमेह होने का रहता है खतरा

नारियल पानी में कैलोरी की मात्रा मौजूद होती है। ऐसे में अगर आप इसका अधिक सेवन करते हैं तो इससे ब्लड प्रेशर प्रभावित हो सकता है और इंसुलिन में भी बदलाव आ सकता है। इंसुलिन में बदलाव आने से मधुमेह का खतरा काफी बढ़ जाता है। ऐसे में मधुमेह रोगियों को डॉक्टर की सलाह के बाद ही नारियल पानी पीना चाहिए और स्वस्थ व्यक्ति के लिए रोजाना एक नारियल का पानी पीना ही काफी होता है।

इलेक्ट्रोलाइट हो सकते हैं असंतुलित

नारियल पानी में मौजूद उच्च पोटेशियम के कारण यह एक अद्भुत पेय है, लेकिन यही कारण अधिक मात्रा में सेवन करने पर नारियल पानी को घातक भी बना सकता है। दरअसल, नारियल पानी के अधिक सेवन से इलेक्ट्रोलाइट्स के असंतुलित होने की संभावना काफी बढ़ जाती है। बता दें कि शरीर हमारे द्वारा खाए जाने वाले खाने और पानी से इलेक्ट्रोलाइट्स बनाता है। ये इलेक्ट्रोलाइट्स शरीर में फैलकर शारीरिक कार्यों में ऊर्जा देते हैं।

पेट से जुड़ी समस्याएं

नारियल पानी का अधिक सेवन करने से आपको पेट से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इससे गैस, उल्टी समेत पेट में दर्द जैसी कई तरह की समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इस वजह से यह जरूरी है कि आप नारियल पानी का सीमित मात्रा में सेवन करें। बेहतर होगा कि आप हर दिन अपने नारियल पानी के सेवन पर ध्यान दें, क्योंकि इससे आपको कोई नुकसान नहीं होगा।

बढ़ सकता है वजन

अधिक मात्रा में नारियल पानी पीने से वजन बढने की संभावना भी बढ़ सकती है और इसकी मुख्य वजह इसमें मौजूद हाई कैलोरी है। बढ़ता वजन एक गंभीर समस्या हैं, जिसके कारण शरीर कई बीमारियों का घर बना सकता है। वैसे कुछ अन्य शारीरिक समस्याओं के कारण भी लोगों का वजन बढने लगता है, इसलिए बढ़ते वजन की असल वजह जानने के लिए डॉक्टर से संपर्क करें।

ब्लड प्रेशर में ला सकता है गिरावट

नारियल पानी के अधिक सेवन से ब्लड प्रेशर भी प्रभावित हो सकता है। इससे ब्लड प्रेशर के कम होने की संभावना बढ़ सकती है। बता दें कि अगर किसी व्यक्ति का ब्लड प्रेशर सामान्य (120ध्80 एमएमएचजी) से कम हो तो उसे लो ब्लड प्रेशर की समस्या होती है। इसके कारण बार–बार चक्कर आना या अचानक धुंधला दिखना देना आदि लक्षण सामने आ सकते हैं।

पिंक आउटफिट ने केट शर्मा ने पहनी इतनी बोल्ड ड्रेस

फैशनिस्टा केट शर्मा इन दिनों काम से फुरसत होकर अपनी छुट्टियां एंजॉय कर रही हैं। वहीं, वो अपने फैंस के लिए अपने निजी पलों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कर रही हैं। एक्ट्रेस पिंक कलर के आउटफिट में कहर बरपा रही हैं। केट शर्मा पिंक कलर के आउटफिट में अपने फैंस पर बिजलियां गिरा रही हैं। पिंक ब्रा

और शॉर्ट्स में एक्ट्रेस केट शर्मा अपने लुक्स से कहर बरपा रही हैं। दिलकश अंदाज और स्टाइलिश ड्रेस में केट शर्मा ने कई कातिलाना पोज दिए। मीडिया पर काफी एक्टिव रहने वाली एक्ट्रेस केट शर्मा अपनी हॉटनेस से फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ाए रहती हैं। एक्ट्रेस केट शर्मा ने इस आउटफिट में बेहद ही स्टाइलिश नजर आ रही हैं। रूहदार और कुछ तो जरूरी है जैसी फिल्मों में नजर आईं एक्ट्रेस केट शर्मा अपनी बोल्डनेस से हर किसी को दीवाना बना देती हैं। केट शर्मा अपनी बोल्ड तस्वीरें देने से कभी नहीं झिझकती हैं। एक्ट्रेस केट शर्मा ने अक्टूबर 2018 में मशहूर फिल्ममेकर सुभाष घई पर मीटू के तहत गंभीर आरोप लगाए थे। केट शर्मा के इंस्टाग्राम पर 2.7 मिलियन फॉलोवर्स हैं।

संजय लीला भंसाली का म्यूजिक एल्बम सुकून हुआ रिलीज

संजय लीला भंसाली के मूल एल्बम सुकून का अनावरण किया गया है क्योंकि इसे बनाने में उन्हें लगभग दो साल लग गए थे। फिल्म निर्माता इस एल्बम को मेलोडी की रानी लता मंगेशकर के सम्मान में प्रस्तुत करता है। नौ गानों को शामिल करते हुए, एल्बम अच्छे पुराने प्यारे गाथागीतों की यादों को वापस लाता है जो इसे आज के युवाओं के लिए प्रासंगिक बनाता है। राशिद खान, श्रेया घोषाल, अरमान मलिक, साहिल हाडा, पापोन, प्रतिभा बघेल और मधुबंती बागची जैसे प्रतिभाशाली गायक एक साथ आए हैं और इस विशेष एल्बम को क्यूरेट किया है। सुकून का हर राग खास होने के साथ–साथ अपने तरीके से अनूठा भी है। गालिब होना है, गाना अरमान मलिक का एक बहुत अलग पक्ष लाएगा क्योंकि वह एक प्रेमी की गहरी भावनाओं को व्यक्त करता है। गाने के बोल ए.एम. तुराज द्वारा लिखे गए हैं। अपने गीत के बारे में बात करते हुए, अरमान ने साझा किया, मैंने बहुत लंबे समय से उनके साथ एक सहयोग पर काम करने का सपना देखा है और आखिरकार दुनिया को इस ऑडियो–विजुअल ट्रीट का अनुभव मिलेगा! मुखर रूप से, संजय सर ने मेरे एक बहुत ही अलग पक्ष की खोज की है। और मुझे खुशी है कि उन्होंने मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए मेरी बहुत मेहनत की है। तुझे भी चांद और करार को श्रेया घोषाल ने गाया है। पापोन ने दर्द पत्थरों को गाने को अपनी आवाज दी है। गाने के बोल कुमार ने लिखे हैं। गम ना होने राशिद खान द्वारा है। उन्होंने इस गाने में अपनी आवाज से जादू भर दिया है। गाने के बोल ए. एम. तुराज ने लिखे हैं और इस गाने पर काम करने के बारे में बात करते हुए, राशिद खान ने साझा किया, संजय लीला भंसाली के साथ काम करने से हमेशा हमारा सर्वश्रेष्ठ सामने आता है। हर एक बात को प्रतिभा बघेल ने गाया है, जो भावपूर्ण किटी में अपनी महारत के लिए जानी जाती हैं। गाने के बोल गालिब ने लिखे हैं। वह इसे फिल्म निर्माता के साथ काम करने के लिए सपने के सच होना जैसा है। मुस्कुराहाट और शिव तेरे को आवाज दी है शैल हदा ने इन दोनों गानों के बोल ए.एम. तुराज। सिव तेरे को मधुबंती बागची ने गाया है जो किसी की आत्मा को सुकून देता है। इस गाने के बोल ए एम तुराज ने लिखे हैं। मधुबंती ने कहा, हमारे देश के कुछ बेहतरीन कलाकारों के साथ सर के पहले गैर फिल्मी एल्बम में शामिल होना एक सम्मान की बात थी। उम्मीद है कि एल्बम को श्रोताओं से भी प्यार और प्रशंसा मिलेगी।

बिग बॉस 16 के घर में फिर हुई श्रीजिता डे की एंट्री

बिग बॉस 16 आए दिन किसी न किसी वजह से सुर्खियों में बना हुआ है। टीवी से लेकर सोशल मीडिया पर यह छाया हुआ

है। जनता भी इस सीजन पर खूब प्यार बरसा रही है। पिछले कुछ दिनों से शो अपने वाइल्ड कार्ड प्रतियोगियों को लेकर चर्चा में बना हुआ है। अब खबर है कि श्रीजिता डे शो में दोबारा एंट्री कर रही हैं, जिन्हें सबसे पहले इससे बाहर का रास्ता दिखाया गया था। बिग बॉस 16 में पहली वाइल्ड कार्ड एंट्री अभिनेत्री श्रीजिता डे की होगी, जो शो से बाहर हो चुकी थीं। श्रीजिता चुपचाप घर में दस्तक देंगी, जिन्हें देख घरवाले खुश हो जाएंगे। हालांकि, कुछ नाखुश भी होंगे। श्रीजिता को देख टीना दत्ता का मुंह उतर जाएगा और उनके बीच जमकर बहस भी होगी। शो में पहले भी दोनों के बीच खूब तकरार देखने को मिली थी। कलर्स ने नए प्रोमो में श्रीजिता की एंट्री पर मोहर लग गई है।

घर पर मस्कारा बनाने के लिए अपनाएं ये आसान तरीके, नहीं पड़ेगी खरीदने की जरूरत

मस्कारा आंखों के मेकअप के लिए काम आने वाले सौंदर्य उत्पादों में सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाता है। इससे पलकों को घना और लंबा दिखाने में बड़ी मदद मिलती है। वैसे तो आजकल बाजार में कई तरह के मस्कारे मौजूद हैं, लेकिन उनमें से अधिकतर पलकों और आंखों को नुकसान पहुंचाने वाले केमिकल्स से बने होते हैं। ऐसे में आइए आज हम आपको घर पर विभिन्न तरह के मस्कारे बनाने के आसान तरीके बताते हैं।

क्लियर मस्कारा बनाने का तरीका

क्लियर मस्कारा नो मेकअप लुक के लिए एकदम सटीक उत्पाद है। यह मस्कारा लंबे समय तक चलता है और पलकों टूटने से भी रोकता है। इसे बनाने के लिए कंटेनर में एक बड़ी चम्मच बादाम तेल, नारियल तेल और एक तिहाई चम्मच एलोवेरा जेल मिलाएं। अब इसमें एक तिहाई चम्मच पिघली हुई बीजवैक्स डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। अब आपका क्लियर मस्कारा इस्तेमाल के लिए तैयार है।

वॉटरप्रूफ मस्कारा कैसे बनाएं?

सबसे पहले धीमी आंच पर दो चम्मच नारियल तेल पिघलाएं और फिर इसमें चार चम्मच एलोवेरा जेल के साथ कद्दूकस की हुई बीजवैक्स भी मिलाएं। इसके बाद मिश्रण में थोड़ा एक्टिवेटेड चारकोल (ब्लैक मस्कारा के लिए) या कोको पाउडर (ब्राउन मस्कारा) मिलाकर इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दें। अंत में इस मस्कारे को एक कंटेनर में स्टोर करें और जरूरत के समय इस्तेमाल करें।

विटामिन– ई वाला मस्कारा

सबसे पहले धीमी आंच पर एक सॉस पैन में दो बड़ी चम्मच एलोवेरा जेल को थोड़े डिस्टिल्ड वॉटर और विटामिन–श्व तेल की दो–तीन बूंदें डालकर अच्छे से मिलाएं। अब इस मिश्रण को ठंडा करके स्टेरेलाइज्ड कंटेनर या मस्कारा ट्यूब में डालें और इस्तेमाल करें। अगर आप नीले, बैंगनी या भूरे रंग का मस्कारा चाहते हैं तो आप इस मिश्रण में अपनी पसंद का कलर पिगमेंट भी मिला सकते हैं।

नारियल तेल का मस्कारा

सबसे पहले डबल बॉयलर तकीनक से एक बड़ी चम्मच नारियल तेल और एक छोटी चम्मच बीजवैक्स डालकर अच्छे से मिलाएं। जब यह मिश्रण पिघल जाए तो इसमें एक कैप्सूल एक्टिवेटेड चारकोल डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अब इस मिश्रण को ठंडा होने दें और मस्कारा को एक साफ कंटेनर में स्टोर करें। ध्यान रखें कि यह मस्कारा हल्का होता है, इसलिए इसकी दो–तीन लेयर लगाएं।